CNEWS सिटी चीफ

वर्ष–15, अंक–105
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कुछ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 20 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सिंगल कॉलम

इसरो चीफ एस. सोमनाथ को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि

नई दिल्ली। पिछले साल भारत के तीसरे मून मिशन चंद्रयान–3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंड करवाकर इसरो ने इतिहास रच दिया था। भारत ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश था। इसरो चीफ एस सोमनाथ को दुनियाभर से प्रशंसा मिली थी। चंद्रयान–3 की लैंडिंग के 11 महीने के बाद अब एक बार फिर से एस सोमनाथ के लिए खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के परिसर में शुक्रवार आयोजित 61वें दीक्षांत समारोह में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर छात्रों को (संयुक्त और दोहरी डिग्रियां सहित) 3,016 डिग्रियां दी गई हैं। डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने के बाद इसरो चीफ डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि आईआईटी–मद्रास जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री पाना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, एक गांव के लड़के के रूप में भले ही मैं टॉपर था, लेकिन मेरे पास आईआईटी की प्रवेश परीक्षा देने की हिम्मत नहीं थी। मेरा सपना था कि एक दिन मैं यहीं से स्नातक करूंगा। मैंने अपनी मास्टर डिग्री प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से प्राप्त की और अब पीएचडी आईआईटी–मद्रास द्वारा प्रदान की गई है।

राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण से नवाजे गए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षा अलंकरण समारोह 2024 के दौरान सेना प्रमुख और अन्य अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान सभी सेना अधिकारियों की देश सेवा की राष्ट्रपति ने सराहना की। राष्ट्रपति ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) प्रदान किया। वहीं भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भारतीय सेना विमानन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय सूरी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), भारतीय तटरक्षक महानिदेशक राकेश पाल को अति विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल एचएस शाही को उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम) प्रदान किया गया। वहीं राष्ट्रपति ने भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) प्रदान किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्र राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और दिल्ली उप राज्यपाल वीके सक्सेना समेत तमाम लोग शामिल हुए।राष्ट्रपति भवन में हर साल रक्षा अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाता है। इसमें असाधारण क्रम क विशिष्ट सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक, असाधारण क्रम की अति विशिष्ट सेवा के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक और युद्ध में असाधारण विशिष्ट सेवा के लिए उत्तम युद्ध सेवा पदक समेत कई पुरस्कार दिए जाते हैं

हरियाणा में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रात 2.30 बजे कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को किया गिरफ्तार अवैध खनन से जुड़ा है मामला

सोनीपत (हरियाणा)। प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ा एक्शन लेते हुए हरियाणा के सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार किया है। ईडी के अधिकारियों ने इस कार्रवाई को रात 2.30 बजे अंजाम दिया।अब सुरेंद्र पंवार को अंबाला लाया जा रहा है। बता दें, ईडी की टीम सुरेंद्र पंवार के खिलाफ अवैध खनन के एक मामले में जांच कर रही है। पिछले दिनों उनके ठिकानों पर छापा मारा गया था। साथ ही, ईडी ने कुछ दिन पहले यमुनानगर में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के यहां भी छापा मारा था। ईडी का यह एक्शन तब देखने को मिला है, जब हरियाणा में इसी साल के आखिरी में होने वाले विधानसभा चुनाव की हलचल तेज हो गई है।

मप्र की स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद खराब, इंदौर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

इंदौर। मध्यप्रदेश में बदहाल ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति दुप्पला वेंटकरमन्ना की युगल पीठ ने मध्यप्रदेश शासन से जवाब तलब किया है। यह याचिका गांधीवादी विचारक और लेखक चिन्मय मिश्र द्वारा दायर की गई थी, जिसमें अधिवक्ता अभिनव धनोड़कर ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखा। न्यायालय ने इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए मध्यप्रदेश शासन को 4 सप्ताह में जवाब पेश करने के लिए कहा है। याचिका में मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति पर चिंता जताई गई है। याचिकाकर्ता का तर्क यह है कि स्वास्थ्य का अधिकार तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ तथा पूर्ण उपलब्धता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत, जीवन जीने के अधिकार की श्रेणी में होकर एक मौलिक अधिकार है, तथा शासन का यह दायित्व है कि ग्रामीण इलाकों में व्याप्त बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार करें। याचिका का आधार यह है कि मध्यप्रदेश के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे–5 के अनुसार मध्यप्रदेश में एक भी कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, प्राइमरी हेल्थ सेंटर या सब सेंटर, जो कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की नींव है, भारत शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड के अनुसार कार्यरत नहीं है, वहां न तो उपयुक्त सुविधाएं हैं और न ही डॉक्टर तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मी।

नीट का लीक पेपर हल करके देने वाली छात्रा गिरफ्तार

रांची। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी के पटना पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को रांची के रिम्स यानी राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस कॉलेज की प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा सुरभि कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। उस पर आरोप है कि उसने अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्र हल किया था। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के लिए उसे तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है। सुरभि कुमारी को सॉल्वर मॉड्यूल की पांचवीं सदस्य बताया जा रहा है, जो पंकज कुमार द्वारा चुराए गए पेपर को हल करने के लिए पांच मई की सुबह नीट–यूजी परीक्षा के दिन हजारीबाग में मौजूद थी। पंकज कुमार उर्फ आदित्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर (झारखंड) का 2017 बैच का सिविल इंजीनियर है, जिसने हजारीबाग से एनटीए के बक्से से नीट–यूजी प्रश्नपत्र चुराया था। नीट–यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। सीबीआई ने इस सप्ताह की शुरुआत में आरोपी छात्रा से पूछताछ के लिए रिम्स मैनेजमेंट से संपर्क किया था। इस बारे में जानकारी देते हुए रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि सीबीआई की टीम ने बुधवार को अस्पताल प्रबंधन से संपर्क किया और कहा कि वे नीट पेपर लीक के सिलसिले में छात्रा से पूछताछ करना चाहते हैं। इसके बाद प्रबंधन ने टीम को पूरा सहयोग दिया। गुरुवार को भी उन्होंने उससे पूछताछ की और कहा कि उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि छात्रा के माता–पिता ने भी प्रबंधन से संपर्क किया था, जिसके बाद उन्हें स्थिति के बारे में जानकारी दे दी गई। गुरुवार को सीबीआई ने नीट–यूजी पेपर लीक मामले में सॉल्वर मॉड्यूल के सदस्यों एम्स पटना के 4 एम्स छात्रों को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उन्हें चार दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार, सॉल्वर गैंग के इन पांचों सदस्यों को पेपर हल करने का काम सौंपा गया था ताकि गिरोह की सेवाएं लेने वाले नीट उम्मीदवारों को सही जवाब की लिस्ट दी जा सके। सीबीआई ने पेपर चुराने वाले पंकज कुमार और इस प्रक्रिया में उसकी मदद करने वाले राजू सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

यूपी में सरकार और संगठन के बीच तकरार बढ़ी

उत्तरप्रदेश की दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सोनम किन्नर का इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के बीच तकरार और बढ़ती दिख रही है। दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री किन्नर कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष सोनम किन्नर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। सोनम किन्नर का कहना है कि जब अधिकारी उनकी सुनते ही नहीं है तो मंत्री बने रहने का क्या फायदा है। उन्होंने यहां तक कहा कि यूपी के अफसरों ने ही सरकार का बेड़ा गर्क कर रखा है। कहा कि उनके विभाग के अफसर तो बिल्कुल नहीं सुनते हैं। ऐसे में इस्तीफा देकर अब संगठन में ही काम करूंगी। इस बीच, सोनम के आरोपों को योगी सरकार में मंत्री असीम अरुण ने ही गलत बता दिया है। सोनम ने आगे यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की यूपी में हार हुई है लेकिन कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा है तो उसकी जिम्मेदारी मैं ही लेती हूं। कहा कि अब सरकार नहीं, संगठन में कार्य करूंगी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान को दोहराते हुए कहा किसंगठन सरकार से बड़ा होता है। सोनम किन्नर इससे पहले भी अफसरशाही के खिलाफ विरोध की आवाज बुलंद कर चुकी हैं। यही नहीं, योगी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ भी सोनम ने आवाज उठाई थी। सोनम पहले सपा में थीं। कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हुई थीं। आरोप लगाया कि अपने विभाग तक में हो रहे भ्रष्टाचार को नहीं रोक पा रही हूं। जनता का काम ही नहीं करवा पाउंगी तो मंत्री पद पर बने रहने का क्या फायदा है।

सोनम ने राज्यपाल को दिए इस्तीफे में लिखा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार से वह आहत हैं और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा देती हैं। वह संगठन के लिए काम करती रहेंगी। इसके इतर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका इस्तीफा फिलहाल स्वीकार नहीं किया गया है। सोनम किन्नर समाजवादी पार्टी छोड़कर वर्ष 2021 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्हें बाद में उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाते हुए राज्यमंत्री का दर्जा दे दिया गया था। शुक्रवार की शाम वह राजभवन पहुंचीं और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने इस्तीफे में लिखा कि दर्जा प्राप्त मंत्री रहते हुए जनता के बीच वह भारतीय जनता पार्टी को मजबूत नहीं करने में असफल रहीं। इस कारण वह व्यथित हूं। इसलिए सरकारी पद से इस्तीफा दे रही हैं।

टेक्निकल गिलचः माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर डाउन होने के चलते भारत से लेकर अमेरिका तक काम हुआ ठप, बैंकों से लेकर एयरलाइन्स तक देखी गई परेशानी, शापिंग मार्केट तक ठप

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज का अब भी असर, एयरपोर्ट पर फेस रीडिंग सिस्टम डिजीयात्रा में दिक्कतें, सरकार ने कहा- फ्लाइट ऑपरेशन सही हुआ

सबक यह कि...

किसी एक सिस्टम पर निर्भरता आपको दशकों पीछे ले जा सकती है और दूसरा- एक सिस्टम इतना ताकतवर है कि वो आपको डुबो सकता है

दुनियाभर में शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट में क्राउडस्ट्राइक अपडेट के कारण कंप्यूटर सिस्टम प्रभावित होने के बाद अब बिजनेस और सर्विसेज धीरे–धीरे ठीक हो रही हैं। भारत के सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने कहा कि सुबह 3 बजे से सभी एयरपोर्ट पर एयरलाइन सिस्टम नार्मल रूप से काम करने लगे हैं। अब फ्लाइट ऑपरेशन सही हो गया है। कल की रुकावटों के कारण कुछ बैकलॉग है, जो धीरे–धीरे दूर हो रहे हैं। हमें उम्मीद है कि दोपहर तक सभी इश्यू रिजॉल्व हो जाएंगे। हम अपने एयरपोर्ट ऑपरेशन की लगातार निगरानी कर रहे हैं और एयरलाइन्स के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि ट्रेवल रिक्वायरमेंट और रिफंड का ध्यान रखा जाए। आपके धैर्य के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। हालांकि, अभी भी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट सहित अन्य एयरपोर्ट से फ्लाइट प्रभावित होने की खबर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एयरपोर्ट्स पर फेशियल रिकग्निशन सिस्टम डिजीयात्रा काम नहीं कर रहा है।

नई दिल्ली /इंदौर । *कहते हैं तकनीक वरदान है तो अभिशाप भी। माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस में शुक्रवार को आई गड़बड़ी ने पूरी दुनिया को बौना साबित कर दिया। हर तरफ हाहाकार मच गया। बैंक, कार्पोरेट कंपनियां, शेयर बाजार से लेकर एयरलाइन कंपनियां तक ठप पड़ गईं। हालत ये हो गए कि ऐसा लगा कि दुनिया पांच दशक पीछे चली गई हो। एयरलाइन कंपनियों के काउंटर पर चेक–इन तक प्रभावित हो गए। एयरपोर्ट पर हाथ से लिखे बोर्डिंग पास जारी किए जाने लगे। ऐसा लगा रहा था कि 1980 वाला दशक आ गया। रेडियो, टीवी प्रसारण तक प्रभावित हो गए। एक सर्वर के कारण पूरी दुनिया कदमों पर आ गई। कंप्यूटर बंद होने के कारण बैंक, कंपनियों से लेकर कई संस्थाओं में कामकाज प्रभावित हुआ। कई देशों में मेट्रो सर्विस तक प्रभावित हुई। माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज 10 ऑपरेटिंग सिस्टम में आई गड़बड़ी ने पूरी दुनिया को उसकी हैसियत बता दी। सरकारें माइक्रोसॉफ्ट से संपर्क साधने में जुटी रहीं। इस एक झटके ने हमें दो सीख दे दी हैं, पहला– किसी एक सिस्टम पर निर्भरता आपको दशकों पीछे ले जा सकती है और दूसरा– एक सिस्टम इतना ताकतवर है कि वो आपको डुबो सकता है।*

एयरपोर्ट पर खड़े रह गए विमान

माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस के ठप होने के कारण भारत और अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों की एयरलाइंस प्रभावित हुई। दुनियाभर में 1400 फ्लाइट कैंसिल हो गईं। कई एयरलाइंस कंपनियों की फ्लाइट कैंसिल हुईं। इस आउटेज के कारण फ्लाइट बुकिंग, कैंसिलेशन से लेकर चेक–इन तक की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। दिल्ली समेत देश के सभी बड़े एयरपोर्ट पर कई तरह की समस्याएं देखने को मिलीं। काफी यात्री एयरपोर्ट पर ही फंसे रह गए। एयरपोर्ट से विमान उड़ान नहीं भर पाए। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया के जरिये कहा, वैश्विक आईटी मुद्दे के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुईं। हम अपने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए अपने सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत में अकासा से लेकर इंडिगो, एअर इंडिया, विस्तारा, स्पाइस जेट जैसी एयरलाइन कंपनियों ने काम प्रभावित होने की जानकरी दी।

आखिर हुआ क्या?

दरअसल अमेरिकी एंटी–वायरस कंपनी के एक अपडेट का असर माइक्रोसॉफ्ट पर पड़ा। एंटी–वायरस फर्म क्राउडस्ट्राइक ने अपने वायरस स्कैनर फाल्कन के साथ जो कुछ किया, उसका माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम चलाने वाले लाखों कंप्यूटरों पर पड़ा। माइक्रोसॉफ्ट ने सुबह करीब 5 बजे इसकी जानकारी दी। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ की रिपोर्ट दुनियाभर में की गई। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ (बीएसओडी) एक क्रिटिकल एरर स्क्रीन है जो विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। जब यह एरर आता है, तो कंप्यूटर ऑटोमेटिकली रिस्टार्ट हो जाता है। डेटा खोने की भी आशंका रहती है। क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण ही माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट 365 सर्विसेज में परेशानी आई है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हमें समस्या की जानकारी है और हमने कई टीमों को इसे सुलझाने में लगाया है। हमने इसके कारण का पता लगा लिया है। इससे वहीं यूजर प्रभावित हुए हैं जो माइक्रोसॉफ्ट एज्योर का इस्तेमाल करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है। यह एप्लिकेशन और सर्विसेज को बनाने, डिप्लॉय और मैनेज करने का काम करता है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट 365 प्रोडक्टिविटी सॉफ्टवेयर है, जिसमें वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और वन नोट जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन शामिल हैं। हालांकि, इस टेक्निकल ग्लिच से एपल और लाइनक्स के यूजर्स प्रभावित नहीं हुए।गुरुवार रात को क्राउडस्ट्राइक सॉफ्टवेयर ने एक अपडेट रिलीज किया, जिसने विंडोज कम्प्यूटर में अचानक गड़बडी पैदा कर दी। जिन कम्प्यूटर्स पर यह अपडेट गया, वे सब क्रैश होते चले गए। इन्हीं कम्प्यूटरर्स पर एयरलाइंस की बुकिंग और चेक इन सर्विस आधारित है। लिहाजा ये तमाम सर्विसेस बंद पड़ गईं। एंटीवायरस में अपडेट की वजह से कम्प्यूटर ठप होने का पता चलने के बाद क्राउडस्ट्राइक कंपनी ने इस अपडेट को अपनी वेबसाइट से हटा लिया है, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि जिन कम्प्यूटरर्स पर इसका अपडेट इंस्टॉल हो चुका था, उन्हें कैसे रीस्टोर किया जाएगा।

इंदौर एयरपोर्ट से 12 फ्लाइट कैंसिल

इस टेक्निकल ग्लिच का असर मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ तक की फ्लाइट सर्विस पर पड़ा। इंदौर एयरपोर्ट से कई कंपनियों की फ्लाइट टेकऑफ ही नहीं कर पाई। इंदौर एयरपोर्ट पर आने–जाने वाली कुल 12 फ्लाइट के कैंसिल होने की जानकारी सामने आई है। इंदौर एयरपोर्ट के टर्मिनल मैनेजर से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से जाने वाली 6 और इंदौर आने वाली 6 फ्लाइट कैंसिल हुई है। वहीं एयरपोर्ट प्रबंधन सूत्रों का कहना है कि फ्लाइट्स के कैंसिल होने की संख्या और बढ़ सकती है। इंदौर एयरपोर्ट में मौजूद यात्रियों ने बताया कि उन्हें माइक्रोसॉफ्ट सर्वर डाउन होने की वजह से फ्लाइट डिले होने की जानकारी एयरलाइंस ने नहीं भेजी। जो जानकारी उन्हें एयरलाइंस ने दी उसमें लिखा है कि आपको एयरपोर्ट 3 घंटे पहले पहुंचना है क्योंकि सर्वर डाउन है। पूरी प्रोसेस मैन्युअल करना पड़ेगी। उसमें समय लगेगा। बता दें कि इंदौर एयरपोर्ट से रोजाना 40 फ्लाइट अलग–अलग शहरों के लिए उड़ान भरती है। इसमें 38 फ्लाइट डोमेस्टिक है और 2 इंटरनेशनल फ्लाइट है, जो दुबई और शारजाह के लिए उड़ान भरती हैं। भोपाल एयरपोर्ट पर सर्विस नहीं मिलने से कई यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी। वहीं एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि सॉफ्टवेयर में दिक्कत के चलते वेब चेक इन और इंडिगो एप से टिकट बुकिंग में सुबह 11 बजे से दिक्कत शुरू हुई। यात्रियों ने सीधे एयरपोर्ट पर आकर यह काम मैन्युअल किया। इसके चलते भोपाल से संबंधित कोई भी फ्लाइट कैंसिल नहीं हुई। मुंबई वाली फ्लाइट कैंसिल हुई है वह किसी अन्य तकनीकी कारणों के चलते हुई।

युग पुरुषधाम ने 6 बच्चों की मौत को प्राकृतिक आपदा बताया

नहीं दी फंड की जानकारी, महिला बाल विकास अधिकारी को भी नोटिस

इंदौर। इंदौर के श्री युग पुरुष धाम आश्रम में 6 बच्चों की मौत और 90 बच्चों के बीमार होने का मामला अभी भी जांच के अधीन है। इंदौर कलेक्टर ने आश्रम प्रबंधन से जवाब मांगा था, जिसके जवाब में आश्रम ने दावा किया है कि बच्चों की मौतें डायरिया से हुईं, जो प्राकृतिक आपदा थी। हालांकि, जांच में आश्रम परिसर में गंदगी, जंग लगे पानी के पाइप और टंकियों की सफाई में लापरवाही जैसी अनियमितताएं पाई गईं। जिला प्रशासन की जांच कमेटी आश्रम प्रबंधन के जवाब से हैरान हैं और अब कलेक्टर द्वारा उचित कार्रवाई की उम्मीद है। आश्रम प्रबंधन ने 5 बिंदुओं में अपना जवाब दिया है, जिसमें वे खुद को बचाने का प्रयास करते हैं। बच्चों की मौतें डिहाइड्रेशन और डायरिया से हुईं, ऐसा आश्रम प्रबंधन का दावा है। खराब मौसम को आश्रम प्रबंधन ने ह्लप्राकृतिक आपदाह्व का कारण बताया है। जांच कमेटी को मिली अनियमितताएं आश्रम प्रबंधन की लापरवाही को दशार्ती हैं।

लापरवाही और शासन के निर्देशों की अवहेलना श्री युग पुरुष धाम में हुई बच्चों की मौतों के बाद, कलेक्टर आशीष सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, रामनिवास बुधोलिया को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस विभागीय निगरानी में लापरवाही और शासन के निर्देशों की अवहेलना के आरोप में जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि बुधोलिया ने इंदौर स्थित आश्रम में अनियमितताओं और लापरवाही का निरीक्षण और समाधान करने में विफलता दिखाई है। कलेक्टर ने कहा कि यह स्वेच्छाचार और कर्तव्यों का उल्लंघन है। उन्होंने बुधोलिया को तीन दिन के भीतर इस मामले में अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। यदि वे समय पर जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम श्री युग पुरुष धाम में हुई दुखद घटनाओं के बाद उठाया गया है, जिसमें छह बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है और बच्चों की देखभाल करने वाले संस्थानों पर सवाल उठाए हैं।

वित्तीय लेनदेन सहित अन्य पहलुओं की भी जांच श्री युग पुरुष धाम आश्रम में बच्चों की मौतों का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा गठित एक टीम द्वारा न केवल बच्चों की मौत और बीमारी की जांच की जा रही है, बल्कि संस्था के वित्तीय लेनदेन सहित अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। छह जुलाई को, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस मामले की जांच के लिए एक दल को इंदौर भेजा था। केंद्रीय जांच दल की सदस्य डॉ. दिव्या गुप्ता ने बताया कि संस्था से कई जानकारी मांगी गई थी, लेकिन एक हफ्ते बाद भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। फंड की जानकारी भी अभी तक नहीं दी गई है। प्रारंभिक जांच में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। 6 बच्चों की मौत और लगातार बीमार पड़ रहे बच्चों के बाद, आश्रम ने जल्दबाजी में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और नए बिस्तरों का काम कराया। इसके साथ ही, सभी बच्चों को खंडवा रोड स्थित परमानंद आश्रम में स्थानांतरित कर दिया गया। यह कदम उठाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चों को उचित देखभाल और चिकित्सा सहायता मिले। केंद्रीय जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सप्ताह में दो दिन चलेगी पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन

इंदौर। कालाकुंड-पातालपानी के झरने, पहाड़ा और हरी भरी वादियों के बीच से छुक-छुक करती ट्रेन का सफर शनिवार से शुरू होने जा रहा है। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन शुरू की है। यह ट्रेन 20 जुलाई से प्रति शनिवार एवं रविवार को चलेगी। भविष्य में इसे महू स्टेशन से भी जोड़ा जाएगा।

ट्रेन संख्या 52965 पातालपानी - कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन सुबह11.05 बजे पातालपानी से चलकर 1.05 बजे कालाकुंड पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 52966 कालाकुंड - पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से 3.34 बजे चलकर 4.30 बजे पातालपानी पहुँचेगी। इस ट्रेन में दो एसी चेयरकार सी1 व सी 2 और तीन नॉन एसी चेयर कार डी1,डी2 व डी3 रहेंगे। इस हेरिटेज ट्रेन में आने-जाने के लिए अलग-अलग टिकट लेना होगा। इस ट्रेन के एक दिशा के लिए एसी चेयर कार का किराया 265 रुपये- और नॉन एसी चेयर कार का किराया 20 रुपये प्रति टिकट प्रति व्यक्ति रहेगा । ट्रेन संख्या 52965 और 52966 पातालपानी- कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन की बुकिंग पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। यह ट्रेन लंबे समय से बंद थी, जो अब फिर शुरू होगी। रेलवे ने इस ट्रेन के लिए विशेष तौर पर विस्टाडोम कोच तैयार कराए है। जिसकी बड़ी खिड़कियों से यात्री बाहर के मनोरम दृश्य देख सकेंगे। पातालपानी से कालाकुंड की दूरी दस किलोमीटर है। इस सफर में ट्रेन तीन सुरंगों से होकर भी गुजरेगी।

इंदौर से ऐसे पहुंच सकते हैं ट्रेन तक रेलवे इंदौर से महू और पातालपानी तक हेरिटेज ट्रेन में ले जाने के लिए डेमू चलाने का निर्णय कर रहा है। हालांकि रेलवे सूत्रों का कहना है कि शुरूआत में कुछ दिन यात्रियों को पातालपानी तक सड़क मार्ग से ही जाना पड़ेगा। हालांकि रेलवे महू से पातालपानी तक ब्राडगेज रेल लाइन का निरीक्षण कर चुका है। एक दो दिन में रतलाम से होकर महू जाने वाली डेमू ट्रेन 09390 को पातालपानी तक विस्तार किया जा सकता है। जिसके बाद रेल यात्री इंदौर और महू रेलवे स्टेशन से सीधे ट्रेन द्वारा की पातालपानी रेलवे स्टेशन पहुंच सकेंगे।

पेड़ों की अवैध कटाई पर कलेक्टर-निगम को हाईकोर्ट का नोटिस

इंदौर। इंदौर में हो रही पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर समाज सेवी डॉ.अमन शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के समक्ष जनहित याचिका प्रस्तुत की गई। याचिकाकर्ता की और से पैरवी अभिभाषक अभिनव धनोड़कर ने की। मध्यप्रदेश सरकार, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगम इन्दौर और कलेक्टर इन्दौर को उच्च न्यायालय ने नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 20 अगस्त 2024 को होगी। अभिभाषक धनोड़कर द्वारा मध्यप्रदेश वृक्षों परिरक्षण अधिनियम 2000 की धारा 4 एवं 6 के माध्यम से चुनौती दी गई। जिसमें याचिकाकर्ता के द्वारा यह बताया गया की अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत नगर निगम के आयुक्त ही वृक्ष अधिकारी के रूप नियुक्त किए गए है। इन्दौर शहर के विकास कार्य भी नगर निगम द्वारा ही किया जा रहा है। वृक्ष अधिकारी बिना सोचे समझे विकास कार्य की ओर अग्रसर होकर वर्षों पुराने/प्रचीन और बड़े पेडों को धड़ल्ले से काटने का कार्य कर रहे हैं। याचिकाकर्ता द्वारा अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत वर्णित प्रक्रिया को भी याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई। धारा 6 के अतिरिक्त भी एक और प्रक्रिया को अपना लिया गया है, जिसमें निरीक्षक नामक एक पद पर नियुक्ति दी गई है और पेड़ों की कटाई को लेकर 100 रुपए आवेदन शुल्क और 500 रुपए का मुआवजा शुल्क भी प्रक्रिया में शामिल कर दिया गया है जो पूर्णत- विधि के विपरीत है।

एक पेड़ मां के नाम मुहिम का समर्थनयाचिका में मुहिम चलाई जा रही एक पेड़ मां के नाम के माध्यम से जगह-जगह पौधे लगाए जा रहे है का समर्थन किया गया है। लेकिन वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए और इंदौर में दिन-प्रतिदिन बढ़ते वायु प्रदूषण और समय के साथ बढ़ते गर्म तापमान का सामना करना पड़ रहा है जिसका सीधा असर मानव जीवन, पशु पक्षियों के जीवन पर हमें आए दिन देखने को मिल रहा है। अगर ऐसी स्थिति में भी शहर के पुराने पेड़ों को काटा जाएगा तो आने वाले समय में बढ़ते वायु प्रदूषण, गर्म तापमान, से भविष्य में प्रकृति के कहर का सामना करना बड़ा ही मुश्किल साबित होगा। क्योंकि पौधों को पेड़ बनने में सालों का समय लगता है। दायर याचिका में एमओजी लाईन और मल्हारगंज आश्रम में हुई पेड़ कटाई को लेकर संपूर्ण विवरण दिया गया है। याचिका में पेड़ कटाई की अनुमति को लेकर एक समिति बनाने का भी उच्च न्यायालय से आग्रह किया गया है।

कार मालिक से हेराफेरी के मामले में केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में कार मालिक से हेराफेरी का मामला सामने आया है। इसमें एक व्यक्ति ने कार का एग्रीमेंट कर उसे किराए पर लिया और ड्राइवर को सौंप दी। वह कार को महाराष्ट्र ले गया और वापस ही नहीं की। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को आरोपी बनाया है। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुकेश पुत्र लक्ष्मी नारायण परमार निवासी महेश यादव नगर की शिकायत पर पुलिस ने सचिन पुत्र दिनेश कौशल, निवासी मुखर्जी नगर और उसके ड्राइवर गजानंद उर्फ शुभम पुत्र महादेव रेवास्कर, निवासी बुलडाणा महाराष्ट्र के खिलाफ केस दर्ज किया है।मुकेश ने बताया कि उसका और सचिन का अर्टिगा कार नंबर टढ09ऊख2587 को लेकर 22 मार्च 2024 को एग्रीमेंट हुआ था। जिसमें 25,500 रुपए मासिक किराया तय हुआ। 2 माह तक सचिन ने किराया दिया। लेकिन फिर किराया नहीं आया। तो उससे पूछा कि कार कहां है, किराया क्यों नहीं दे रहे। तब सचिन ने कहा कि कार ड्राइवर गजानंद के पास है। वह कार लेकर महाराष्ट्र से नहीं आया। इसके बाद कई बार पूछने के बाद सचिन ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। जिसमें पीड़ित ने थाने में शिकायत कर बताया कि दोनों मिलकर कार की अफरा-तफरी की है। जिसमें भाड़ा नहीं देने के साथ ही कार भी वापस नहीं कर रहे। इस मामले में पुलिस ने अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है।

पत्नी ने की आत्महत्या, पति को बनाया आरोपी

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया निवासी महिला की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति को आरोपी बनाया है। महिला के माता-पिता और भाई ने बयान में प्रताड़ित करने की बात कही थी। पुलिस अब मामले में पति को गिरफ्तार करेगी। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक शकुंतला चौहान (23) ने महालक्ष्मी नगर की मयूर एवेन्यू बिल्डिंग में 11 मई को सुसाइड कर लिया था। पति सुनील उसे अस्पताल लेकर आया था। शकुंतला की मां जशोदा राठौर ने बताया कि पति सुनील आए दिन मेरी बेटी को प्रताड़ित करता था। इस बात से वह बहुत दुःखी होकर उसने अपनी जान दे दी। इस सुसाइड को लेकर शकुंतला के भाई संजय और पिता कैलाश के भी बयान हुए थे। उन्होंने भी बताया कि सास-ससुर अलग रहते थे। पति सुनील शकुंतला को परेशान करता था। जांच के बाद गुरुवार रात कार्रवाई की गई है।

राज्य सेवा और वन सेवा का रिजल्ट दस दिन में होगा घोषित

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने शुक्रवार को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की फाइनल मॉडल आंसर शीट जारी कर दी। अभ्यर्थियों की आपत्ति के बाद समिति ने निराकरण किया। मॉडल आंसर शीट में प्रश्नों के सही उत्तर दर्शाए गए है। इसके आधार पर अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 10 दिनों के भीतर आयोग राज्य सेवा और वन सेवा का परीक्षा परिणाम घोषित कर देंगे। उसके बाद मुख्य परीक्षा की तारीख तय की जाएगी। 23 जून को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 करवाई गई थी।

461 केंद्रों पर हुई थी परीक्षा

50 से ज्यादा जिलों में 461 केंद्रों पर आयोग ने परीक्षा कराई थी। एक लाख 53 हजार अभियर्थी शामिल हुए। अकेले इंदौर में 83 केंद्र बनाए गए, जिसमे 27 हजार अभ्यर्थी बैठे थे। 110 पदों राज्य प्रशासनिक सेवा और 14 पद राज्य वन सेवा परीक्षा रखे थे। तीन दिन बाद आयोग ने मॉडल आंसर की जारी कर दी ।

दोबारा नई आंसरशीट की अपलोड

मगर चंद घंटों बाद पोर्टल से उसे हटाना पड़ गया। कारण यह है कि परीक्षा के प्रश्न पत्र 2 (सेट सी) के 20 प्रश्न के गलत उत्तर दर्शा दिए। अगले दिन नई आंसरशीट दोबारा अपलोड कर दी। सात दिन में अभ्यर्थियों की आपत्ति दर्ज करवाई। उसके आधार पर समिति ने प्रश्नों के सही जवाब दिए। आयोग के अधिकारी रवींद्र पंचभाई का कहना है कि दस दिनों के भीतर रिजल्ट निकालेंगे।

चोरल के बाद एक और आदिवासी गर्ल्स होस्टल की वार्डन को हटाया

इंदौर। इंदौर में मालव कन्या विद्यालय परिसर में संचालित आदिवासी होस्टल की वार्डन को भी कलेक्टर ने हटा दिया है। वार्डन के खिलाफ होस्टल की 20 से ज्यादा छात्राओ ने कलेक्टर आशीष सिंह को शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें हटा दिया गया। उधर कलेक्टर ने युग पुरुष धाम में बीमारी से हुई पांच बच्चों की मौत और चोरल होस्टल में मिली गड़बड़ी को लेकर दो अफसरों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। उनसे पूछा गया है कि होस्टल और आश्रम आपके नियंत्रण में है तो फिर नियमित तौर पर जांच और दौरे क्यों नहीं किए गए। यह भी लापरवाही है। इससे पहले ही समस्या का पता चलता और उसे दूर किया जा सकता है। मालव कन्या परिसर में संचालित कन्या आदिवासी छात्रावास में रहवे वाली छात्राएं कलेक्टर के पास अपनी समस्याएं लेकर पहुंची थी। उन्होंने कहा कि होस्टल में दोनो समय खराब भोजन मिलता है। इससे हमें भूखा रहना पड़ता है। इसके अलावा नियमित तौर पर सफाई भी नहीं होती है। कई बार होस्टल वार्डन भारती एहरेकर को शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई चिंता नहीं की।

कलेक्टर ने अपने स्तर पर जांच कराई और शिकायत को सही पाया। इसके बाद वार्डन को हटा दिया गया है। उन्हें हटाने की पुष्टी आदिम जाति कल्याण विभाग की संयुक्त संचालक सुप्रिया बिसेन ने की है। उधर कलेक्टर ने चोरल के होस्टल में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर बिसेन भी नोटिस दिया है। जिसमे पूछा गया विभाग के अधीन छात्रावास में इस तरह की अनियमितता क्यों हो रही है। युगपुरुष धाम आश्रम के मामले में महिला व बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी राम निवास दुबौलिया को भी नोटिस थमाया गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी

भोपाल में 2 महिलाओं को थमाए फर्जी जॉइनिंग लेटर... पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत

भोपाल की दो महिलाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए ठगी हो गई। शहर के जहांगीराबाद और तलैया इलाके में रहने वाली इन महिलाओं को एचआर की नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। एक महिला से 7 लाख और दूसरी से 8 लाख रुपए लिए गए। भरोसा दिलाने के लिए महिलाओं को फर्जी ऑफर लेटर से लेकर वाइनिंग लेटर तक मेल किए गए। युवक ने दोनों महिलाओं का ऑनलाइन इंटरव्यू भी कराया गया। उन्हें 50 हजार रुपए महीने की सैलरी देने का तक का झांसा दिया था। महीनों बाद भी जब दोनों की वाइनिंग नहीं हुई तो संबंधित थानों में शिकायत की। पुलिस ने इसे साइबर फ्राड बताया और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। तब महिलाओं ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत की।

कहा- कुछ खर्च करने पर दिला देंगे जॉब हिना आफताब (19) पत्नी फराज खान फतेहगढ़ में रहती हैं। उन्होंने बताया कि नबील सिद्दीकी नाम का युवक कमला पार्क इलाके में रहता है। वह स्वयं को अमाजन कंपनी का एचआर बताता है। आरोपी ने उनकी पुरानी पहचान थी। उसने अमाजन में एचआर की नौकरी लगावाने का झांसा दिया। झांसा दिया कि कुछ खर्च करने पर उसे यह जॉब दिला सकता है। जॉब में एग्रीमेंट होगा कि कम से कम पांच साल तक कंपनी जॉब से नहीं निकालेगी। जॉब वर्क फ्रॉम होम होगा। आरोपी की बातों में आने के बाद हिना ने आरोपी को करीब 10 बार में सात लाख रुपए फोन पे और आरटीजीएस के माध्यम से दे दिए। ठीक इसी तरह का झांसा देकर आरोपी ने फातिमा खान निवासी जहांगीराबाद के साथ भी ठगी की है। आरोपी ने उनसे करीब आठ लाख रुपए ठगे हैं।

शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई हिना ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत तलैया थाने में की थी। वहां पुलिस ने आवेदन लेकर चलता कर दिया। आज दिनांक तक आरोपी नबील के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वह लगातार कॉल कर शिकायत वापस लेने की धमकी दे रहा है। पुलिस के रवैये की शिकायत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में भी की है।

एसआई बोले- हमारे अधिकार क्षेत्र का मामला नहीं मामले की जांच कर रहे एसआई कमलेश रैयकवार का कहना है कि हिना के आवेदन की जांच उनके पास है। पूरा मामला साइबर फ्रॉड का है, जांच कर प्रतिवेदन उन्होंने साइबर क्राइम को सौंप दिया है। आगे की कार्रवाई साइबर क्राइम को करना है।

एडवेंचर लवर्स के लिए इस वीकेंड 4 वॉटर फॉल ट्रैकिंग

जंगल में बसा नया और अनोखा नई गंगा वॉटर फॉल

भोपाल बारिश चल रही है, और एडवेंचर लवर्स के लिए यह खास मौसम है। कोई जंगल देखने जा रहा है तो कोई शहर के आसपास के वॉटरफाल। इस बीच यह सप्ताह खास होने जा रहा है, क्योंकि रविवार को चार से अधिक ट्रैकिंग ऑप्शन एडवेंचर लवर्स के सामने हैं। इसमें नई गंगा वॉटर फॉल पर 21 जुलाई को जुनून एडवेंचर ने ट्रैकिंग आयोजित की जा रही है। वहीं, नरसिंहगढ़ पर छोटा महादेव, अमरगढ़ और रातापानी में दिगंबर वॉटरफॉल पर भी रविवार ट्रैकिंग होगी। जुनून एडवेंचर से मिशी भटनागर ने बताया- यह लोकेशन शहर के 30 किमी के अंदर है। इसकी खासियत है कि यह पूरी तरह से अननोन यानी फ्रेश है। यहां एडवेंचर लवर्स अभी तक नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में यहां ट्रैक करवाया जा रहा है। इसके अलावा जंगल और विलेज के कल्चर से भी रुबरू करवाया जाएगा। इस दौरान एडवेंचर लवर्स के लिए कई तरह के गेम्स भी आयोजित किए जाएंगे।

बनते हैं छोटे छोटे पूल मिशी ने बताया कि नई गंगा वॉटर फॉल की खासियत की बात की जाए तो इससे बहने वाले पानी से छोटे-छोटे कई पूल बनते हैं। लोगों को यह बहुत पसंद आएगा। वहीं, इसके आसपास बसे ट्राइबल विलेज भी लोग देख सकते हैं। हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि कोई भी लोकेशन रिपीट नहीं हो। इसके अलावा लोग नेचर वॉक में बर्ड वॉचिंग और फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

छोटा महादेव वॉटर फाल और अमरगढ़ भी इसके अलावा एडवेंचल ग्रुप द्वारा दो ट्रैकिंग ऑप्शन हैं। इसमें एक अमरगढ़ और दूसरा नरसिंहगढ़ में। छोटा महादेव वॉटर फाल पर भी ट्रैकिंग आयोजित करवाई जाएगी। इसमें वॉटर फाल के आसपास करीब 7 किमी में ट्रैकिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा अमरगढ़ ट्रैक पर भी ट्रैकिंग आयोजित होगी। वहीं, वॉटरफाल के अलावा जंगल एडवेंचर की कई एक्टिविटीज होंगी। एडवेंचल से वैभव ने बताया- यहां जाने के लिए पिकअप और ड्रॉप भी भोपाल के आईएसबीटी से होगा।

दिगंबर वॉटर फाल ट्रैकिंग रातापानी जंगल में स्थित दिगंबर वॉटर वॉल पर भी इस रविवार ट्रैकिंग होगी। यहां पर अंजय एडवेंचर द्वारा ट्रैकिंग और कई तरह की एडवेंचर एक्टिविटीज रखी हैं। कंपनी के फाउंडर ऑनर अभिषेक शर्मा ने बताया कि यह भोपाल से 100 किमी की दूरी पर पड़ता है। शाहगंज स्थित यह वॉटर फाल रातापानी के जंगल एंड पाइंट पर है। यहां करीब 80 पानी नीचे गिरता है। इसके लिए पिकअप और ड्रॉप भी भोपाल से ही रहेगा।

शतरंज की वजह से सात समंदर पार मिला प्यार

अब मिलकर दे रहे शह-मात के खेल को बढ़ावा

भोपाल। शतरंज की बिसात में भले ही काले-सफेद खाने होते हों, लेकिन इस खेल के चाहने वालों की जिंदगी के कई रंग इन्हीं खानों से जुड़े होते हैं। ऐसा ही अनूठा किस्सा है, शहर के शतरंज खिलाड़ी निखलेश जैन और कोलंबिया की शीर्ष वरीय महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ्रांकों का।

बार्सिलोना में हुई पहली मुलाकात बार्सिलोना के चेस टूर्नामेंट में निखलेश की एंजेला से पहली बार मुलाकात हुई। खेल से शुरू हुई मुलाकात प्यार और फिर शादी तक जा पहुंची और एंजेला सात समंदर पार कर भारत आ गईं। आज यह खिलाड़ी जोड़ी भोपाल में रहकर प्रदेश और देश में शतरंज को बढ़ावा दे रही है। एक दूसरे को हराने के लिए दिमागी चालों वाले खेल के बीच उपजी यह प्रेम कहानी जितनी रोचक है, उतनी ही प्रेरक भी।

यूं शुरू हुआ सिलसिला निखलेश जैन बताते हैं कि हम लोग 2017 में बार्सिलोना में हुए एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मिले थे। तब मैं फ्रांस के एक खिलाड़ी के साथ अपना मुकाबला खेल रहा था। एंजेला मेरे बगल वाले बोर्ड पर स्पेन के खिलाड़ी से मुकाबला खेल रही थीं। एंजेला अपना मैच जीत गई थीं और मुकाबले के बाद मैच एनालिसिस कर रही थीं। इससे मुझे परेशानी हो रही थी। तब मैंने उन्हें चिल्लाकर बोला कि मेरा मैच चल रहा है, आप एनालिसिस बाद में करिए।

टूर्नामेंट के दौरान किया प्रपोज फिर अगले दिन वो मुझसे सॉरी बोलने के लिए आईं। इसके बाद हमारी बातचीत शुरू हो गई। हम दोनों एक-दूसरे के परिवार से मिले। एक वर्ष बाद 2018 में विदेश में एक शतरंज ओलंपियाड हुआ, जिसमें मैंने उन्हें उनके मैच से पहले प्रपोज किया, जिससे टूर्नामेंट का पूरा माहौल ही अलग हो गया था। इसके बाद हम दोनों ने 2018 दिसंबर में कटनी में शादी की।

अंतरराष्ट्रीय यात्रा से होती थी परेशानी निखलेश ने बताया कि शादी के बाद हमारा यादातर समय अंतरराष्ट्रीय यात्रा में ही गुजरता था। मैं कटनी में रहता था तो आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी। सोच ये भी थी कि प्रदेश में शतरंज को बढ़ावा भी देना है। एंजेला को भी भोपाल काफी अच्छा लगता था, इसलिए 2019 में भोपाल आकर रहने लगा। मैंने दानिश कुंज में घर खरीद लिया।

एक-दूसरे को करते हैं सपोर्ट निखलेश ने बताया कि आज भोपाल में मुझे साढ़े चार वर्ष हो गए हैं। हमारा बेटा भी भोपाल में ही पैदा हुआ और वह साढ़े तीन वर्ष का हो गया है। हम दोनों अपने-अपने देशों से बहुत प्रेम करते हैं। दोनों में एक दिलचस्प बात यह है कि जब भी भारत के खिलाड़ी शतरंज खेलते हैं तो एंजेला उनको सपोर्ट करती हैं और जब कोलंबिया फुटबॉल खेलता है तो मैं सपोर्ट करता हूं।

भोपाल में शुरू की खेलो चेस इंडिया मुहिम इस जोड़ी ने भोपाल में आकर खेलो चेस इंडिया मुहिम शुरू की। पिछले डेढ़ वर्ष में 36 टूर्नामेंट किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट शामिल हैं। शहर के स्कूलों में जाकर शतरंज की शिक्षा देते हैं। इनकी कोशिश यही है कि भोपाल से भी अछे शतरंज खिलाड़ी निकलें। एंजेला अभी भी अपने देश के लिए खेलती हैं। वह भारत की ओसीआई कार्ड होल्डर हैं। विदेशी भारतीय नागरिक के तौर पर यहां रहती हैं। उन्हें वोट का अधिकार नहीं है, न ही यहां जॉब कर सकती हैं। वह अधिकृत तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। बता दें कि निखलेश चेसबेस इंडिया हिंदी के प्रमुख हैं और खेलो चेस इंडिया के निदेशक भी हैं।

पति की एक घिनौनी हरकत से पत्नी आठ दिन तक तड़पती रही, नहीं झेल पाई दर्द

भोपाल शहर के ऐशबाग इलाके में स्थित बाग दिलकुशां में 12 जुलाई की सुबह पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। गुस्से में आकर पति ने पत्नी के ऊपर बोतल से पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी थी। महिला को गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान शुक्रवार तड़के उसकी मौत हो गई। अब इस मामले में पुलिस द्वारा पति के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। विवाद के दौरान आरोपित पति के हाथ भी झुलस गए थे।दहेज के लिए परेशान करता था पति ऐशबाग थाना पुलिस के अनुसार मूलत- सागर की रहने वाली 30 वर्षीय दुर्गा मीना की शादी बैरसिया के रमपुरा बालाचौन निवासी प्रीतम मीना से हुई थी। दोनों ऐशबाग स्थित बाग दिलकुशां में रह रहे। प्रीतम निजी काम करता है, जबकि दुर्गा एमपी नगर की एक दुकान पर सेल्स गर्ल का का काम करती थी।शादी के कुछ माह बाद ही प्रीतम ने दुर्गा से दहेज में 50 हजार रुपये की मांग करना शुरू कर दी थी। इस वजह से उनके बीच आए दिन विवाद होता रहता था।

पड़ोसियों ने आकर बचाया था 12 जुलाई की सुबह साढ़े आठ बजे पति-पत्नी के बीच झगड़ा होने लगा था। प्रीतम ने मारपीट करते हुए दुर्गा पर बोतल से पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। इस दौरान प्रीतम के हाथ भी आग में झुलस गए थे। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने किसी तरह आग बुझाई थी। अस्पताल में दुर्गा के बयान दर्ज कर पुलिस ने प्रीतम के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था।

भोपाल में चौथी मंजिल से गिरा चार साल का मासूम, स्कूल बैग ने ऐसे बचा ली जान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चार साल के एक बच्चे की जान उसके स्कूल बैग ने बचा ली। चौथी मंजिल की बालकनी से झांकने के दौरान वह सीधे जमीन पर आ गिरा, लेकिन उसे कुछ नहीं हुआ। इसे आश्चर्य ही कहा जाएगा कि करीब 40 फीट की ऊंचाई से गिरते वक्त उसका बैग पहले जमीन पर गिरा और उसके ऊपर बचा। बैग की वजह से इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद भी उसकी जान बच गई। सरस्वती नगर के ईडब्ल्यूएस में क्रांति भारती अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। क्रांति वल्लभ भवन में ग्रेड तीन कर्मचारी हैं, जबकि उनके पति छिंदवाड़ा में काम करते हैं। नौकरी के चलते क्रांति के दोनों बच्चे दिन में स्कूल से आने के बाद कुछ देर घर में अकेले होते हैं। बड़ी बेटी कुहू दोपहर दो बजे स्कूल से घर आती है, जबकि बेटा सूर्यांश एक बजे घर आ जाता है।

झांकते वक्त नीचे गिरा एक से दो बजे के बीच बालक घर में अकेला रहता है। इसी दौरान में शुक्रवार को सूर्यांश एक बजे स्कूल से अपने घर पहुंचा, लेकिन वह कमरे में जाने के बजाय बालकानी की ओर चला गया। बालकनी की रैलिंग ऊंची होने के चलते सूर्यांश कुर्सी लगाकर नीचे झांकने लगा। नीचे झांकते समय संतुलन बिगड़ने से वह चौथी मंजिल से नीचे सड़क पर गिर गया। किसी के गिरने की आवास सुन पड़ोसी बाहर निकलकर आए तो देखा कि बालक सकुशल है।

जिसने भी सुना, रह गया हैरान पड़ोसियों ने तुरंत क्रांति को फोन कर सूचना दी। क्रांति ने घर पहुंचकर सूर्यांश को अस्पताल पहुंचाया, ताकि पता चल सके कि कहीं उसे अंदरूनी चोट तो नहीं है। दोपहर में प्राथमिक परीक्षण के बाद क्रांति बचे को लेकर घर आ गई, लेकिन शाम तक जैसे-जैसे रिश्तेदारों को इसकी जानकारी लगी, वे उसे देखने पहुंचने लगे। बच्चे को देखकर कई लोग तो मानने को तैयार नहीं थे कि वह इतनी ऊंचाई से गिरा और चोट नहीं लगी।

बचा स्वस्थ है स्वजन शाम को सूर्यांश को लेकर फिर निजी अस्पताल पहुंचे और विशेषज्ञों को दिखाया। सीटी स्कैन और अन्य जांचें कराई गईं, लेकिन किसी तरह के अंदरूनी चोट का भी पता नहीं चला। सभी जांचों के बाद पाया गया कि बचा पूर्ण

भारत भवन समेत तीन जगहों पर नाटकों का मंचन, बिड़ला संग्रहालय में देखें विशेष प्रस्तर प्रदर्शनी

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 20 जुलाई को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

ग्रीन हब फेस्टिवल - रवींद्र भवन में 20 व 21 जुलाई को ग्रीन हब फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। डस्टीफूट फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह फेस्ट सुबह 9.30 बजे से होगा। इसमें आदिवासी से जुड़ी फिल्में, फोटो प्रदर्शनी, लोक गीत और व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा।

विशेष प्रस्तर प्रदर्शनी - जीपी बिड़ला संग्रहालय में एक विशेष प्रदर्शनी सजाई गई है। इसमें भगवान श्रीहरि विष्णु के विभिन्न अवतारों पर केंद्रित मूर्तियों को देखा जा सकता है, जो 10 से 11वीं शताब्दी तक की हैं। इस प्रदर्शनी में भारतीय धार्मिक संस्कृति के अनुसार एवं पुराणों में वर्णित कथाओं पर आधारित परंपराओं को समेटे हुए मूर्तियां रखी गई हैं। इसे सुबह 10:30 बजे से देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श श्रंखला के तहत इस माह उरांव जनजाति के प्रचीन वाद्य यंत्र लोहाटी का प्रदर्शन किया गया है। वीथि संकुल में

इसे सुबह 11 से शाम 06 बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील समुदाय की युवा चित्रकार शिवाबाई भाबोर के चित्रों की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस 51वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात 08 बजे तक देखा जा सकता है।

सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर सैन्य फिल्म आफ विंग्स एंड माउंटेंस का प्रदर्शन शाम छह बजे से होगा। फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म हिमालय के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में वायुयान द्वारा सामान की आपूर्ति पर आधारित है।

नटखट नाट्य समारोह - अक्षदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा तीनदिवसीय नटखट नाट्य समारोह का आयोजन शहीद भवन सभागार में किया जा रहा है। आज इस समारोह के तीसरे और अंतिम दिन स्वर निषाद संगीत संस्था द्वारा राग माला गायन का मंचन होगा। इसे गुरु आकाश गुंटीवार के निर्देशन में खेला जाएगा। अंतिम प्रस्तुति चिल्ड्रन थिएटर अकादमी की ओर से नाटक छुटकी गिलहरी के रूप में पेश की जाएगी। इस नाटक का निर्देशन प्रेम गुप्ता द्वारा किया जाएगा। समय शाम सात बजे से है।

नाटक मंचन - भारत भवन में चल रहे मध्य प्रदेश रंगोत्सव में आज दूसरे दिन श्रीराम जोग के निर्देशन में नाटक अंतर प्रवाह का मंचन किया जाएगा। समय शाम सात बजे से है। वहीं रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में ड्रामा स्कूल मुंबई की ओर से

बेटे द्वारा मां की हत्या के बाद डिप्रेशन से जूझ रहे पिता ने लगाई फांसी

भोपाल। परिवार बिखरने से परेशान कमला नगर इलाके में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पत्नी की पांच महीने पहले हत्या हुई थी। हत्यारा और कोई नहीं, उसका बेटा ही था, जो इस वक्त जेल में है। मृतक पत्नी की हत्या के बाद से डिप्रेशन में था और गुरुवार को फांसी लगाकर उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद छानबीन शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

बेटी ने फांसी पर लटका देखा पुलिस के अनुसार 45 वर्षीय सुनील मोरे न्यू शबरी नगर में रहता था। वह पेंटर का काम करता था। पांच माह पहले उसकी पत्नी की हत्या हो गई थी। उसके बाद से ही डिप्रेशन में रहने लगा था। गुरुवार को दोपहर में जब उसकी बेटी ने फोन किया और उसे जवाब नहीं मिला तो वह अपने पिता के घर पहुंची। जहां सुनील फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला।

नहीं मिला सुसाइड नोट पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लेकिन परिवार और पड़ोसियों के अनुसार परिवार बिखरने से वह परेशान था और कई दिनों से डिप्रेशन में था। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि इसी के चलते उसने आत्महत्या की है।

बेटे ने ही मार दिया था मां कोइससे पहले फरवरी माह में मृतक के 19 वर्षीय बेटे रौनक मोरे ने अपनी मां की हत्या की थी। रौनक 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर किसी लड़की को अपने घर लाना चाहता था। लेकिन उसकी मां ने इन्कार कर दिया, जिससे गुस्साए बेटे ने मां की हत्या कर दी। पीएम रिपोर्ट में भी सामने आया था कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। पत्नी की मौत और बेटे के जेल जाने से सुनील अकेला पड़ गया था और वह लंबे समय से डिप्रेशन में था। पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए शुक्रवार को शव परिजनों को सौंप दिया।

साम्पदकीय

देश गैर संक्रामक रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर

सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए। दरअसल, समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत धीरे-धीरे मधुमेह, हृदय रोग व मोटापे की राजधानी बनता जा रहा है। देश के हर चार में से एक व्यक्ति मोटापे व प्री-डायबिटिक स्थिति में पहुंच गया है। संकट इसलिए बड़ा है कि किशोर व युवा भी इसके चपेट में आ रहे हैं। रात दिन मोबाइल-लैपटॉप में लगे रहने और शारीरिक श्रम से दूर पीढ़ी के लिए फास्ट फूड खासा घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि कई सर्वेक्षणों के निष्कर्ष व विशेषज्ञों की सिफारिश के बाद देश के विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली राष्ट्रीय संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिये हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिजा, बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए।। दरअसल, छात्रों में बढ़ते मोटापे और मोटापे से जनित अन्य रोगों की समस्या के मद्देनजर यूजीसी ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगायी जाए। निस्संदेह, नई पीढ़ी में जंक फूड को लेकर खासा क्रेज है, लेकिन युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में युवाओं में मधुमेह, मोटापे व हृदय संबंधी विकार के मामले तेजी से बढ़े हैं। कुछ माह पूर्व आयी आईसीएमआर की रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई थी कि देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में वसा की अधिक मात्रा पायी जाती है। जो मोटापा बढ़ने का बड़ा कारण है। जो कालांतर हृदयाघात,डायबिटीज आदि गैर संक्रामक बीमारियों की वजह बनता है। आईसीएमआर ने अछे स्वास्थ्य को मानव के मौलिक विशेषाधिकार की संज्ञा दी है। दूसरी ओर मानव पोषण, महामारी विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, बाल रोग व सामुदायिक उपचार आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों के राष्ट्रीय थिंक टैंक एनएपीआई ने भी इसी प्रकार की चिंताएं जतायी हैं। एनएपीआई ने भी शैक्षणिक संस्थानों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर तुरंत रोक लगाने की सलाह दी है। साथ ही कैंटीन में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया है। बहरहाल, अब शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों व शिक्षकों का दायित्व है कि कालेजों की कैंटीनों में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प उपलब्ध करायें। साथ ही छात्रों को इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित करें। निस्संदेह, केवल यूजीसी के निदेर्शों से हालात बदलने वाले नहीं हैं। दरअसल, यूजीसी ने इस बाबत पहली बार दिशा-निर्देश नहीं दिये हैं। इससे पहले दस नवंबर 2016 तथा इक्कीस अगस्त 2018 को भी इसी तरह के परामर्श जारी किये गए थे। विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य खानपान शैली का अंधानुकरण कर रही है। किसी देश का खानपान उस देश की जलवायु तथा रोगों की आनुवंशिकता के आधार पर तय होता है। युवा पीढ़ी मौसमी फल, सब्जियों तथा परंपरागत खाद्य पदार्थों से परहेज कर रही है। सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए। दरअसल, समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है। श्रमशील व गतिशील व्यक्ति को सब कुछ हजम हो जाता है, लेकिन निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे, मधुमेह व हृदय रोगों को बढ़ावा देती है। चिंता की बात यह है कि जो रोग पहले व्यक्ति को पचास साल के बाद होते थे, वे अब किशोरों व युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन ने खुलासा किया था कि कैसे भारत में पचास फीसदी लोग सप्ताह में जरूरी व्यायाम व सैर तक नहीं करते। निश्चित रूप से यह एक राष्ट्रीय संकट का प्रश्न है। जिसके चलते आने वाले दिनों में देश गैर संक्रामक रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी छात्रों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करना होगा।

पर्सनैलिटी कल्ट में फंसा अमेरिकी समाज

अमेरिका में इन दिनों चुनावी माहौल गर्म है। जब से पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला हुआ, तब से अमेरिका की राजनीति बदल गई। इस घटना के बाद अमेरिका में ट्रंपवाद 2.0 के आगमन का संकेत मिल चुका है कान से बहते खून वाली ट्रंप की तस्वीर अमेरिका में ट्रंपवाद 2.0 के आगमन का संकेत दे चुकी है। एक ऐसी तस्वीर जिसने अमेरिकी राजनीति को बदल दिया है। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सारा डिस्कोर्स ट्रंप के इर्द गिर्द सिमट गया है। ट्रंप को जानने वाले ये समझते हैं कि पापुलिम को राजनीति की मुख्यधारा में ले आना और असल मुद्दों को पीछे धकेल देना, ट्रंप को बहुत अछे से आता है। लेकिन जख्मी ट्रंप की ये तस्वीर बीते 40 साल में अमेरिका में हुए बदलावों को भी अपने में समेटे है। खासतौर से 19802 में रोनल्ड रीगन के वक्त के बाद से अमेरिकी जनमानस बहुत बदला है। फी इकोनमी और राजनीति की बारीक कड़ियां इस तरह आपस में इस तरह से गुंथ गई हैं जहां चुनाव की अतिरेकता में सब पीछे छूट जाता है, 2016 के चुनावों के दौरान पर्सनैलिटी कल्ट पॉलिटिक्स का इस्तेमाल कर ट्रंप ने मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार से लेकर दंगों तक पर आक्रामक बयान दिए थे। उन्होंने उस वक्त उग्र राष्ट्रवाद की जो लकीर पकड़ी थी, वो उनके जैसे एक अनजाने नाम को व्हाइट हाउस के सत्ता के गलियारे तक ले गई थी। इस बार ट्रंप सहज तौर पर बाइडेन से आगे दिख रहे हैं। जानकार बार बार कह रहे हैं कि वो चुनाव में बाइडेन पर लीड बनाए हुए हैं। इन दिनों रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय कन्वेशन में ऐसा होते दिख भी रहा है, ट्रंप पर मीडिया की स्पॉटलाइट लगातार बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट कह रही हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता भी दबे छुपे शब्दों में मान रहे हैं कि ट्रंप को हराना दिन ब दिन मुश्किल होता जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनियर राजनेता और पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी भी बाइडन के साथ निजी तौर पर एक बातचीत में कहा कि वो डोनल्ड ट्रंप को हरा नहीं पाएंगे। पॉलिटिकल कल्ट की राजनीति की जड़ें अमेरिकी समाज में गहरे पसरी 80 के दशक में रोनाल्ड रीगन पर कमोबेश ऐसा ही हमला हुआ था, जैसा कुछ दिन पहले ट्रंप की रैली में दिखा। लेकिन तब से लेकर अब तक अमेरिकी वोटर और समाज में बहुत बदलाव आया है। जानकार मानते हैं कि ये चुनाव इस मायने में भी खास है कि अमेरिकी जनता ने देश की सबसे ताकतवर पोजिशन के लिए जिन दो लोगों को सामने रखा है, उनके व्यक्तिव बहुत उम्मीद जताने वाले नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार कमर आगा कहते हैं कि दोनों ही उम्मीदवारों के पास ना कोई योजना और ना ही कोई पर्सनल करिमा । वहीं समाज के एक बड़े तबके का विश्वास भी इन दोनों ही उम्मीदवारों के साथ नहीं है। दुनिया भर की जिम्मेदारियों को कथित तौर पर अपने ऊपर ओढ़ने वाले अमेरिका के लिए राष्ट्रपति का पद बेहद अहम है और फिलहाल में तो लीडरशिप का संकट नजर आ ही रहा है।

आपसी विश्वास बनाने के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत करें भारत-पाकिस्तान

सुरक्षा विशेषज्ञों को यह बात हैरान करती है कि अतीत के उलट, ये नए घुसपैठिए समूह आक्रामक रूप से भारतीय सेना को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनकी लोकेशन उजागर हो रही है। इसके अलावा, किसी भी घात में ये आतंकवादी सीमा पार से लाए गए गोला-बारूद को खर्च कर देंगे और इससे अगली बार जब वे सेना से घिरे होंगे, तो वे कमजोर हो जाएंगे। इसका मतलब यह होगा कि ये आतंकवादी या तो मारे जाएंगे या फिर कम गोला-बारूद के साथ पाकिस्तान वापस जाने का जोखिम उठाएंगे।

जम्मू क्षेत्र में कई घातक हमले करके पाकिस्तान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह कश्मीर मुद्दे के समाधान में एक पक्ष बनना चाहता है और अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर में भारत द्वारा किए गए बदलाव अंतिम नहीं हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान का गुस्सा सिर्फ जम्मू-कश्मीर में किए गए बदलावों तक ही सीमित नहीं है। उसने भारत पर पाकिस्तानी धरती पर पाकिस्तानी नागरिकों की न्यायिक और अतिरिक्त क्षेत्रीय हत्याओं का अभियान शुरू करने का भी आरोप लगाया है। भारत ने इस आरोप का खंडन किया है।

इस खंडन के बावजूद, लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी की सीनियर लीडरशिप की तरफ से की गई बयानबाजी ने किसी को भी इस बारे में संदेह नहीं छोड़ा कि भारत उन लोगों को निशाना बनाने के इरादे रखता है जिन्हें वह शत्रु मानता है, भले ही वे विदेशी धरती पर रहते हों। 4 अप्रैल, 2024 को द गार्जियन में छपी एक रिपोर्ट ने पाकिस्तान के आरोपों को पुष्ट किया और दावा किया कि 2020 से पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने लगभग 20 ऐसे लोगों की हत्या की है। रिपोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि मारे गए सभी लोग गैरकानूनी आतंकी समूहों से जुड़े ज्ञात आतंकवादी थे और भारत के लिए वांछित थे। अब पाकिस्तान को शायद इस बात से हिम्मत मिली है कि चीन के आर्थिक उदय को रोकने के लिए अमेरिका को इसकी जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर काम रुका रहे और उढएउ के अगले संस्करण के लिए कोई और समझौता न हो। इसके अलावा, अमेरिका ने भी भारत के खिलाफ इसी तरह का आरोप लगाया है, जिसमें अमेरिका में उसके नागरिक की हत्या की योजना बनाने वाले भारतीय सरकार के भीतर के तत्वों की पहचान की गई है। कनाडा के इस आरोप का भी अमेरिका ने समर्थन किया था कि उसकी धरती पर उसके नागरिक की हत्या के लिए भारत सरकार से जुड़े एजेंटों को दोषी ठहराया गया था। इसलिए, पाकिस्तान की ओर से इस तरह की कार्रवाई की उम्मीद की जानी चाहिए थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के साथ रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस को निशाना बनाकर पहला बड़ा हमला करके पाकिस्तानी सेना ने नई दिल्ली में नई सरकार को संकेत दिया कि वह कश्मीर पर यथास्थिति बदलने का इरादा रखती है। यह हमला लगभग उसी समय हुआ जब 9 जून को मोदी शपथ ग्रहण कर रहे थे। एक दिन पहले, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने चेतावनी दी थी कि लगभग 70-80 पाकिस्तानी आतंकवादी घुसपैठ कर चुके हैं। तब से, कठुआ और डोडा में दो बड़े हमलों में भारतीय सेना ने एक अधिकारी सहित 9 कर्मियों को खो दिया। वहीं, एक अलग मुठभेड़ में सेना ने 26 जून को डोडा में तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को भी मार गिराया।

पहला महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जम्मू क्षेत्र में हिंसा क्यों बढ़ रही है?

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर घाटी की तरह घुसपैठ विरोधी ग्रिड नहीं है। इसके अलावा, भीतरी इलाकों में सुरक्षा ग्रिड भी उतना मजबूत नहीं है। इसलिए, अगर आतंकवादी सीमा पर रक्षा की पहली पंक्ति को तोड़ने में कामयाब हो जाते हैं, तो उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सुरक्षा संरचनाओं का सामना नहीं करना पड़ सकता है। सुरक्षा विशेषज्ञों को यह बात हैरान करती है कि अतीत के उलट, ये नए घुसपैठिए समूह आक्रामक रूप से भारतीय सेना को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनकी लोकेशन उजागर हो रही है। इसके अलावा, किसी भी घात में ये आतंकवादी सीमा पार से लाए गए गोला-बारूद को खर्च कर देंगे और इससे अगली बार जब वे सेना से घिरे होंगे, तो वे कमजोर हो जाएंगे। इसका मतलब यह होगा कि ये आतंकवादी या तो मारे जाएंगे या फिर कम गोला-बारूद के साथ पाकिस्तान वापस जाने का जोखिम उठाएंगे।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हमले इतने घातक क्यों हो गए हैं?

अतीत के उलट, आतंकवादी अब अमेरिका में निर्मित ट4 असॉल्ट राइफल जैसे घातक हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं, जो घने कोहरे और रात की परिस्थितियों में हमलों के लिए उपयुक्त थर्मल इमेजिंग साइट्स के साथ अनुकूलित हैं। इन हथियारों में कवच-भेदी गोलियों का इस्तेमाल किया जाता है जो घात लगाने के लिए आदर्श हैं। हीरानगर और डोडा में मारे गए आतंकवादियों से एम4 असॉल्ट राइफलें बरामद की गईं। पाकिस्तान की सेना ने इन हथियारों पर हाथ डाला है, जिन्हें अमेरिका ने अफगानिस्तान में रक्षा बलों को दिया था। जिन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की शुरूआत से ही आतंकवाद को देखा है, वे जानते हैं कि पाकिस्तान किस तरह से आतंकवादियों के प्रवाह को नियंत्रित करता है और उन्हें हमारे क्षेत्र में भेजता है। प्रशिक्षित आतंकवादियों की कोई कमी नहीं है, जिन्हें पाकिस्तान कम समय में घुसपैठ करवा सकता है। तो, भारत को यहां से आगे कैसे बढ़ना चाहिए?

समझदारी भरा तरीका यह होगा कि सबसे पहले नई दिल्ली के खिलाफ मौजूदा भावना को कम किया जाए, जो घाटी में हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में दिखाई दी थी। सुझाव ये है कि गलत तरीके से हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा किया जाए, राय का दर्जा बहाल किया जाए और विधानसभा चुनाव कराए जाएं। उपरायपाल को अधिक अधिकार देने वाला आदेश प्रतिकूल है। साथ ही, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी द्वारा घुसपैठ के लिए मुख्यधारा के राजनीतिक दलों को दोषी ठहराने वाली टिप्पणी को खारिज कर दिया जाना चाहिए था। जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तान से लगी सीमा पर सभी जिलों में आतंकवादियों के लिए शायद ही कोई स्थानीय समर्थन है। इसलिए कथित स्थानीय सहयोगियों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने के लिए कोई भी अति-प्रतिक्रिया प्रतिकूल साबित होगी और स्थानीय लोगों को अलग-थलग कर देगी, जिनका समर्थन घुसपैठ करने वाले समूहों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

सबसे कठिन और पेचीदा मुद्दा यह है कि पाकिस्तान से कैसे निपटा जाए? भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए यह बेहतर होगा कि वे अमेरिका जैसे तीसरे देशों को शामिल करने के बजाय आपसी विश्वास बनाने के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत करें। यह सच है कि संयुक्त अरब अमीरात जैसे मित्र देशों की मदद से यह सुनिश्चित हुआ कि फरवरी 2021 से जम्मू-कश्मीर में दोनों पक्षों ने सीमा पर संघर्ष विराम का पालन किया। लेकिन द्विपक्षीय जुड़ाव की एक नई शुरूआत की जा सकती है।

भागवत के बयान से फिर छिड़ी चर्चा

केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच क्या सबकुछ ठीक नहीं चल रहा? 2024 लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से ये सवाल कई बार उठे हैं। इसकी वजह है आरएसएस की ओर से लगातार आए ऐसे बयान जिसने सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी। इस शुरूआत खुद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ही की। उन्होंने चुनाव नतीजों के चंद दिन बाद ही नागपुर से ऐसी टिप्पणी की जिसे सीधे तौर पर पीएम मोदी पर टारगेट के तौर पर देखा गया। उस समय उन्होंने कहा था कि जो मयार्दा का पालन करते हुए काम करता है, गर्व करता है लेकिन अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है। मोहन भागवत की इस टिप्पणी को कहीं न कहीं केंद्र की बीजेपी सरकार को नसीहत के तौर पर देखा गया। यही नहीं उस समय संघ प्रमुख और भी कई ऐसी बातें कहीं जिसे पीएम मोदी के लिए सीधा मैसेज माना गया। अब आप सोच रहे होंगे अचानक ये चर्चा क्यों शुरू हुई। ऐसा इसलिए क्योंकि मोहन भागवत ने एक बार फिर कुछ ऐसा कहा है जिसकी तुलना कांग्रेस ने अग्नि मिसाइल से कर दी है। उन्होंने यहां तक कह दिया ह्यनागपुर ने अग्नि मिसाइल लोक कल्याण मार्ग पर दागी है। आखिर संघ प्रमुख ने इस बार क्या कहा जिस पर रिएक्ट करते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने पीएम मोदी को टारगेट कर दिया। यही नहीं

बीते कुछ महीनों में आरएसएस की ओर से क्या कुछ कहा गया जिससे बीजेपी और संघ में खटपट की चर्चा ने जोर पकड़ लिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुमला में एक दिन पहले अहम टिप्पणी की, जिसे दिल्ली को क्लीयर मैसेज के तौर पर देखा जा रहा। भागवत ने कहा कि ह्यव्यक्ति को मानवता की सेवा के लिए प्रयास करना चाहिए। आत्म-विकास के दौरान, एक व्यक्ति ह्यसुपरमैन, फिर ह्यदेवता और ह्यभगवान बनना चाहता है और ह्यविश्वरूप की आकांक्षा रखता है। लेकिन कोई भी निश्चित नहीं है कि आगे क्या होगा। प्रगति और विकास का कोई अंत नहीं है। हमें लगातार काम करते रहना चाहिए, क्योंकि विकास का अंतहीन सिलसिला है। भागवत के कमेंट को कांग्रेस ने बताया ह्यअग्नि मिसाइल भागवत ने शास्त्रों के कई उदाहरण देते हुए कहा कि काम चलते रहना चाहिए, व्यक्ति को पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में लगातार काम करने का प्रयास करना चाहिए। इसका कोई अंत नहीं है। हमें इस दुनिया को भारत की प्रकृति की तरह खूबसूरत बनाने का प्रयास करना चाहिए। झारखंड के गुमला में संघ प्रमुख ने जिस तरह से ये कमेंट किया, कांग्रेस ने इसे पीएम मोदी पर तंज के तौर पर इस्तेमाल कर लिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ह्यमुझे यकीन है कि स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को इस ताजा अग्नि मिसाइल की खबर मिल गई होगी, जिसे नागपुर ने झारखंड से लोक कल्याण मार्ग को निशाना बनाकर दागा है। भागवत ने पहले भी साधा था निशाना कांग्रेस नेता के इस पोस्ट से सवाल उठने लगे कि क्या सच में आरएसएस चीफ ने ये टिप्पणी पीएम मोदी को लेकर की थी। ये पहली बार नहीं है। इससे पहले 10 जून को भी संघ प्रमुख ने नागपुर से बीजेपी को नसीहत देने की कोशिश की थी। लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के हफ्ते भर बाद ही मोहन भागवत ने मणिपुर हिंसा का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार का कर्तव्य है कि इस हिंसा को अब रोका जाए। संघ प्रमुख के इस बयान में कहीं न कहीं निशाना प्रधानमंत्री मोदी पर था क्योंकि उन्होंने कई मौकों पर खुद को प्रधान सेवक के तौर पर पेश किया था। नागपुर में भागवत ने चुनाव बाद क्या कहा था नागपुर में संबोधन के दौरान भागवत ने कहा था कि 10 साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राय में अचानक हिंसा बढ़ गई है। आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया। मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा। चुनाव नतीजों के तुरंत बाद आए मोहन भागवत के कमेंट को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ ही थी। भागवत ने विपक्ष को लेकर क्या कहा था मोहन भागवत ने उस समय ये भी कहा था कि विपक्ष को कभी विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि ऐसे देश कैसे चलेगा। तकनीक की मदद से झूठ को पेश किया गया। विपक्ष को विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। वे विपक्ष हैं और एक पक्ष को उजागर कर रहे हैं इसलिए उनकी राय भी सामने आनी चाहिए। चुनाव लड़ने की एक गरिमा होती है उस गरिमा का ख्याल नहीं रखा गया। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि हमारे देश के सामने चुनौतियां खत्म नहीं हुई है। पिछले दस सालों में बहुत सारी सकारात्मक चीजें हुई हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम चुनौतियों से मुक्त हो गए। आरएसएस के मुखपत्र में भी बीजेपी नेतृत्व की आलोचना भागवत ही नहीं इसके बाद आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने भी बीजेपी नेतृत्व की आलोचना की थी। ऑर्गनाइजर ने लिखा था कि लोकसभा चुनाव के नतीजे बीजेपी के अति आत्मविश्वासी नेताओं और कार्यकताओं को आईना हैं। हर कोई भ्रम में था और किसी ने लोगों की आवाज नहीं सुनी। संघ के मुखपत्र पांचजन्य में भी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के प्रदर्शन पर लेख छपा, जिसका शीर्षक था लोकसभा चुनाव 2024= सबक हैं और सफलताएं भी। इसमें भी बीजेपी के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठाए गए। इसी के बाद आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार का एक बयान सामने आया था जिसने मानो बीजेपी और संघ में चल रहे घमासान को सबके सामने रख दिया। हालांकि, बाद में उन्होंने सफाई दी थी

रिटायर्ड फौजी ने भाजपा नेता को गोली मारी

उज्जैन पुलिस के सामने लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायर किया

बच्चों के विवाद में भिड़ गए थे दोनों

उज्जैन, उज्जैन में रिटायर्ड फौजी ने पुलिस के सामने भाजपा नेता को गोली मार दी। गोली भाजपा नेता की छाती में दाहिने तरफ लगी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले ही आरोपी फरार हो गया। भाजपा नेता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार देर रात करीब 1 बजे नागझिरी के हामुखेड़ी की है। रिटायर्ड फौजी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने बिल्डर और भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के नगर संयोजक प्रकाश यादव को गोली मारी है। फायरिंग के बाद उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने भाजपा नेता के परिवार से बात की। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया, बच्चों के पुराने विवाद में रिटायर्ड फौजी और

भाजपा नेता भिड़ गए थे। दोनों का विवाद शांत कराने पुलिस पहुंची थी। पुलिस मामले को सुलझाने का प्रयास कर ही रही थी, इसी दौरान सुरेंद्र प्रताप सिंह ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी। भाजपा नेता अस्पताल में भर्ती हैं और खतरे से बाहर हैं। परिवार का आरोप- पुलिस ने आरोपी को नहीं पकड़ा परिवार का आरोप है कि फायर करने के बाद रिटायर्ड फौजी आराम से फरार हो गया। पुलिस ने उसे पकड़ने का भी प्रयास नहीं किया। पुलिस सख्ती दिखाती तो आरोपी की गोली चलाने की हिम्मत नहीं होती।

जितने लंबित प्रकरण है, उनका समय-सीमा में अगले 45 दिन के अंदर निराकरण किया जाये-कलेक्टर

राजस्व महाअभियान चरण 02 के तहत राजस्व अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 18 जुलाई से 30 अगस्त तक 45 दिन का राजस्व महाअभियान चरण 2 लांच किया है, राजस्व से संबंधित जितनी भी शिकायतें, समस्याएं हैं और जितने लंबित प्रकरण है, उनका समय सीमाओं में अगले 45 दिन के अंदर निराकरण किया जाये। यह हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का अभियान है। इसमे चाहे स्वामित्व, पीएम किसान, नक्शा तरमीन, खसरे आधार और समग्र की लिंकिंग, ई-केवाईसी, अविवादित नामांतरण, अविवादित बटवारा इन सभी तरह के प्रकरणों का निराकरण किया जाये। अभियान के तहत कल पथरिया, आज हटा और बटियागढ़ में समीक्षा कर रहे हैं। यह बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज जिले के बटियागढ़ ब्लाक के जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित राजस्व महाअभियान चरण 2 के तहत आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में कही। इसके पूर्व कलेक्टर ने हटा में राजस्व महाअभियान चरण 2 के तहत राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर सुधीर

कुमार कोचर ने बैठक के दौरान कहा यह उनके लिए सबसे ज्यादा प्राथमिकता का अभियान है, यह मौका है हमारे लिए कि हम बहुत बेहतर तरीके से काम करके दिखाएं और हमको इसमें पहले दिन से सक्रिय होना चाहिये। अभियान का मुख्य उद्देश्य यही है कि पहले दिन से हम इस काम में लग जाए और एक टीम की तरह इसमें काम करें, यहां पर हमारे महकमे का टीम वर्क दिखना चाहिए कि हम दूसरो का काम भी बहुत अच्छा कर सकते हैं। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है, तीन-चार दिन के बाद से निरीक्षण शुरू होंगे। किसानों को अवगत करायें, लोकसेवा केंद्र और क्योस्क में जाकर के अपना पंजीकरण वगैरह करायें, क्योंकि सेंटर को भी काफी इंसेंटिव दिए गए हैं, 18 रुपए प्रति पंजीकरण उसका इंसेंटिव है। कलेक्टर ने कहा पूरी टीम के साथ एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आरआई, पटवारी इन सभी के साथ बैठक की गई हैं, छोटी-छोटी चीजों पर चर्चा कर रहे हैं ताकि कोई भी इसमें कमी ना रहे और जो अभियान के कंपोनेंट है जिसमें स्वामित्व योजना, पीएम किसान, अविवादित नामांतरण और बटवारा, ई-केवाईसी, नक्शों में तरमीम, अभिलेख दुरूस्ती, रिकॉर्ड्स सुधार, सीएम हेल्पलाइन और डिजिटल क्रॉप सर्वे आदि सारी चीजों के ऊपर अगले 45 दिन हम एक टीम के रूप में काम करेंगे और जनता के जितने लंबित प्रकरण है, लंबित समस्याएं है जो 30 जून 2024 की स्थिति में है, उनका निराकरण किया जायेगा। यह सर्वोच्च प्राथमिकता और सबसे बड़ा फोकस का कार्यक्रम है। अभी हमारा तहसीलों का निरीक्षण शुरू होगा, उसमें सबसे पहले एस.डी.एम., फिर ए.डी.एम. फिर कलेक्टर, फिर कमिश्नर, फिर अपर आयुक्त और फिर आयुक्त सभी के निरीक्षण लगातार संभावित होंगे, जिनकी तिथियां वगैरह भी फाइनल हो गई है। एक-एक तहसील का निरीक्षण कलेक्टर और एसडीएम के द्वारा किया जाएगा। शत-प्रतिशत तहसीलों का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि एक भी प्रकरण ऐसा ना हो जो चिन्हित प्रकरणों की श्रेणियां में लंबित पड़ा हो। सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निपटारा हो सकें, आज इसी के सिलसिले में हमारी यह पूरी बैठक थी। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों से चर्चा करते हुये कहा अभियान में कहीं कोई समस्या हो तो अवगत करायें।

इस अवसर पर हटा एसडीएम राकेश मसराम, बटियागढ़ एसडीएम निकेत चौरसिया सहित तहसीलदार, नायब तहसील और पटवारीगण मौजूद थे।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सिग्रामपुर में किया पौधारोपण

वन संरक्षण एवं कूप उपचार कार्यशाला में हुए शामिल

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के आव्हान पर राज्य भर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। इसको सफल बनाने के लिए प्रदेश भर में 8 लाख से अधिक पौधारोपण किये जा रहे है, जिसके तहत आज सिग्रामपुर में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण किया गया। इस आशय के विचार वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सिग्रामपुर रेंज में पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। कार्यक्रम में वन मंडल अधिकारी महेंद्र सिंह उईके

खास तौर पर मोजूद थे। राज्यमंत्री ने कहा इस मानसून के दौरान ज्यादा से ज्यादा पोधरोपण किया जाये। इस हेतु आमजनो को भी प्रेरित किया जाये कि वे भी अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव-खेत-खलिहानों और शहरों को खूब हरा-भरा करने के लिए पौधारोपण जरूर करें। राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार वन संरक्षण कूप उपचार कार्यशाला में भी शामिल हुए। इस दौरान वन पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार का स्वागत वन मंडल अधिकारी महेंद्र सिंह उईके ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।

बस स्टेंण्ड पर लोगों को असुविधाएं न हों और अस्थाई रूप से जितनी बेहतर व्यवस्थाएं दे सकेंगे देने का प्रयास किया जायेगा

अधिकारियों के साथ बस स्टेंण्ड का लिया जायजा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, आज बस स्टैंड का निरीक्षण किया। बस स्टैंड पर जर्जर हो चुकी इमारतों को पी.डब्लू.डी. से आवश्यक कार्यवाही कराकर डिस्मेंटल करने के निर्देश दिये। बस स्टेण्ड पर गंदगी देखकर नाराजी जताई और साफ सफाई को लेकर नगर पालिका को दिये निर्देश। जहां-जहां बस स्टेण्ड के आसपास, नजदीक में अतिक्रमण है, हटाने के लिये नोटिस जारी किये जायें। इस दौरान बस एसोसियेशन के पदाधिकारियों, बस आपरेटरों

को अनावश्यक रूप से खड़ी बसों को निर्धारित समय-सीमा हटाने निर्देश दिये। आज बस स्टैंड का निरीक्षण किया है। प्राइवेट बस स्टैंड और सरकारी बस स्टैंड दोनों का पूरा मुआयना किया है, यहां पर सफाई, अतिक्रमण, क्षतिग्रस्त भवनों और टॉयलेट को लेकर के कई सारी दिक्कतें हैं, जो कि यहां देख करके महसूस हुई है। हम सोमवार को ही बस स्टैंड निगरानी समिति की बैठक बुला रहे हैं और उस बैठक में आज जो भी हमने देखा है, उसके अनुसार जो भी कार्रवाई आगे की जानी है, उसके निर्णय ले लिए जाएंगे, अगले सप्ताह हम निर्णय ले लेंगे और उसका क्रियान्वयन तुरंत शुरू करेंगे, फिलहाल यही हमारी स्ट्रेटजी है क्योंकि नया बस स्टैंड बन रहा है, वह जब तक बनता है ,तब तक यहां पर लोगों को असुविधाएं न हो और अस्थाई रूप से जितनी बेहतर व्यवस्थाएं दे सकें, देने का प्रयास किया जायेगा।

कलेक्टर पहुँचे ग्राम बम्होरी मॉल, तारादेही स्वास्थय केन्द्र का लिया जायजा

ए एन एम की सराहना एवं सीएचओ के विरूद्ध जाँच एवं कार्यवाही के निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर शुक्रवार को प्रातः 07 बजे तेंदूखेड़ा विकासखण्ड के ग्राम बम्होरी माल ग्राम पहुँचे। उन्होंने यहां सबसे पहले पौधा रोपण किया। इसके बाद ग्राम पंचायत में पहुंचकर ग्राम के लोगो की समस्याएं सुनी। इसके उपरांत कलेक्टर यहां से तारादेही पहुँचे। यहां भी ग्रामीणों ने अपनी समस्याओ से कलेक्टर को अवगत कराया। समस्याओं को सुन कलेक्टर ने मोके से ही सबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर एवं साथ में मौजूद तेंदूखेड़ा तहसीलदार सोनम पांडे को निर्देश दिए। अपने भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने उपस्वास्थय केंद्र तारादेही पहुंचकर यहां की व्यवस्थाओ का जायजा लिया।

सुनी ग्रामीणों की समस्याएं- ग्राम बम्होरी मॉल में कलेक्टर ने ग्राम पंचायत भवन में ग्राम के लोगों की समस्याए सुनी। कुछ ग्रामीणों ने आवास योजना तो कुछ ने नए शौचालय को लेकर समस्या बताई। कुछ किसानों ने किसान सम्मन निधि तथा ग्रामीणों ने बिजली विभाग को लेकर भी

समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद मोके से ही विद्युत भाग और जनपद के सीईओ और तहसीलदार को निर्देश दिए कि बम्होरी ग्राम पंचायत जाकर और ग्रामीणों की समस्याओ का अतिशीघ्र निराकरण करे। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने ग्राम बम्होरी माल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौध रोपण किया। कलेक्टर ने की सराहना और जाँच एवं कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर ने तारादेही उपस्वास्थय केंद्र का निरिक्षण किया। डिलेवरी रूम की व्यवस्थाएं देखी जो संतोषजनक रही। ए एन एम कल्लो गोड़ तारादेही उपस्वास्थय केंद्र में पदस्थ है जिनका कार्य संतोष जनक मिला। ए एन एम तारादेही में ही निवास भी करती हैं। कलेक्टर ने भी ए एन एम की प्रसंसा की। साथ ही सीएचओ के समय पर न आने और सप्ताह में केवल 2 -3 दिन आने की शिकायत मिली। जिसपर कलेक्टर ने सीएचओ नेहा वर्मा के विरुद्ध जांच और कार्यवाही के निर्देश दिए।

नागौद विधानसभा में डॉक्टर रश्मि सिंह के नेतृत्व में बिजली की विकराल समस्या को लेकर नागौद

जसो एवं ऊंचेहरा विद्युत वितरण केंद्रों में धरना प्रदर्शन कर सौंपा गया ज्ञापन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिला कांग्रेस कमेटी सतना के निर्देशानुसार ब्लाक कांग्रेस कमेटी नागौद, जसो एवं ऊंचेहरा द्वारा डॉ. रश्मि सिंह के नेतृत्व में जले हुए ट्रांसफार्मर तत्काल बदले जाने, अघोषित बिजली कटौती बंद किये जाने, किसानों एवं आम उपभोक्ता के बढ़े हुए बिल वापस लेंने सहित बिभिन्न मांगों को लेकर विद्युत वितरण केंद्र ऊंचेहरा,जसो एवं नागौद की गलियों में पैदल मार्च करते हुए विद्युत वितरण केंद्र ऊंचेहरा,जसो एवं नागौद पहुंच कर धरना प्रदर्शन किया।एवं ऊंचेहरा में डॉक्टर रश्मि सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा विद्युत ऑफिस में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर ऊंचेहरा क्षेत्र के 50 से भी अधिक गांवों की समस्या से अवगत कराकर निराकरण की मांग की गई। नागौद में भी डॉक्टर रश्मि सिंह के नेतृत्व में अधीक्षण यंत्री श्री सेठी को ज्ञापन शौप कर समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की गई जिस पर श्री सेठी ने प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निराकरण शीघ्र करने का अस्वसन दिया !उक्त प्रदर्शन पर ब्लॉक

कांग्रेस अध्यक्ष ऊंचेहरा एड अहमद बच्चा, दादूराम लालबहादुर सिंह,ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष एड.रमाकान्त मिश्र, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हरिश ताम्रकार,जिला भूमिविकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष देवराज सिंह, जिला महामंत्री विनीत सिंह, जिला महामंत्री चंद्रभान सिंह,अतुल गौतम,जिला महामंत्री मुख्तार बागरी,उमेश गौतम, शिवांशु समदरिया,लक्ष्मी कुशवाहा, मनीष पाठक, फ़िरोज आलम,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मौ. हामिद, दादूराम बागरी, रोशनी सिंह,संध्या कुशवाहा, संध्या लोधी,श्रीकांत मिश्र,भूपेंद्र सिंह,सुनील लोधी, रानूराजा रीछुल,मोनू सिंगरौल, मो.जुम्मान, गजाधर लोधी,मो. सलमान खान,रामू यादव, पहलवान पटेल, हीरु पटेल, हरिशंचंद्र पुरवार,कोदुलाल रजक, दिनेश सिंह,उमेश कुमार गौतम, मनोज कुमार,सुदामा प्रसाद , शिवपूजन कुशवाहा, लालबिहारी सिंह, एपी तिवारी,सुनील ताम्रकार,अश्वनी कुमार सिंह,रामदीन रजक, ज्योती वर्मा, अश्वनी,सुमित सिंह ,सुरेश, बलिराम सिंह,मुन्नी गुप्ता,सोनू पांडे, महेश सिंह, रामसुरेश सिंह, अरवेंद्र सिंह, शिवांशु समदरिया,मनोज कुमार, रजनीश शुक्ला, वंसरूप सिंह,रामराज प्रजापति,सीतेश सिंह,राजाराम रावत , छोटे लाल सिंह ,प्रदीप कुमार,राशि वर्मा,देवा चौधरी,बिरेश सिंगरौल,उमेश कुशवाहा,बालेंद्र सिंह,अनिल सिंगरौल,परीक्षित सिंह परिहार, शिवम लोधी, मनोज कुमार, रमेश प्रसाद कुशवाहा, उमेश कुशवाहा, राजेश, खुशीराम, मोहम्मद आशिक, मोहम्मद सलीम, फिरोज,सीमा बागरी, हरिश्चन्द्र, राजललन, कुबेर सिंह बहेलिया, लक्ष्मी प्रसाद कुशवाहा, बिहारीलाल सहित तमाम बड़ी संख्या में सैकड़ों कांग्रेस जन उपस्थित रहे!

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में 21 और 22 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव का होगा आयोजन

शहर के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों, प्राचार्यों एवं कुलपतियों आदि को आमंत्रित किया गए

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में 21 और 22 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें शहर के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों, प्राचार्यों एवं कुलपतियों आदि को आमंत्रित किया गया है। जिसके तहत शहर के सभी गणमान्य नागरिकों एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापकों से संपर्क कर 21 व 22 जुलाई को उनका सम्मान तथा महाविद्यालय में अध्यापनरत प्राध्यापकों का सम्मान विद्यार्थियों के द्वारा किया जायेगा। साथ ही विभिन्न विषयों पर-विशेषकर गुरु शिष्य परंपरा एवं नई शिक्षा नीति में नवाचार आदि विषयों पर गुरुजनों के व्याख्यानों का भी आयोजन किया जायेगा। महाविद्यालय प्रशासन ने शहर के गणमान्य नागरिकों, आमजनता तथा विद्यार्थियों से उक्त कार्यक्रम में उपस्थित होने हेतु आग्रह किया है।

सतना में गिरी आकाशीय बिजली

तिहाई निवासी 35 वर्ष विनोद केवट की दर्दनाक मौत

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, कोटर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिहाई निवासी विनोद केवट पिता स्वर्गीय सुरेश केवट उम्र 35 वर्ष की खोहर ग्राम में विष्णु सिंह के खेत रोपा लगाते समय आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। उनके साथ काम करने वालों ने उन्हें कोटर बस स्टैण्ड में डॉ रामकुशल तिवारी को दिखाया जिसे देखने के बाद डॉ तिवारी ने विनोद केवट को मृत घोषित कर दिया था। एक सर्वे के मुताबिक

मध्य प्रदेश में पिछले कुछ सालों से आकाशीय बिजली गिरने के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं पूरे देश में एमपी का पहला स्थान है। वह अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे थे उनके पीछे उनके दो पुत्र, एक पुत्री एवं एक छोटा भाई है, इस घटना ने सबके दिल को झकझोर कर रख दिया। अब विनोद केवट के घर में कोई कमाने वाला नहीं बचा अभी सभी बच्चे छोटे हैं। उपरोक्त हृदय विदारक घटना से सभी तिहाई ग्राम पंचायत के लोग अचंभित हैं कब किसको मौत अपनी आगोश मे समेट ले पता नहीं। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से डॉ तारा प्रसाद शुक्ला, तिहाई सरपंच रेवती रमण दाहिया, वरिष्ट समाजसेवी पं के सी शुक्ला कोटर, शांतिलाल पांडेय, शक्ति पांडेय, रामकृष्ण पांडेय, गोपिका पांडेय, रामचरित पांडेय, रामायण पांडेय, राजा पांडेय, राहुल पांडेय, बाकेबिहारी पांडेय, रिंकू पांडेय, सुशील पांडेय, एवम समस्त तिहाई ग्राम वासी।

सतना में निर्वाचित महिला सरपंचों का प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रशिक्षण में अनेक योजनाओं के साथ साथ सरपंचो के वित्तीय एवम प्रशासनिक अधिकारों की जानकारी दी गई

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास संस्थान जबलपुर के निर्देशानुसार जनपद पंचायत नागौद जिला सतना में ग्राम पंचायत के निर्वाचित महिला सरपंचों का दो दिवसीय प्रत्यास्मरण प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 18 से 19 जुलाई 2024 आज संपन्न हो गया। उक्त प्रशिक्षण में जनपद पंचायत नागौद अंतर्गत आने वाली महिला सरपंचों ने ग्रामीण विकास की अवधारणा को बारीकी से समझा। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत, ग्राम सभा का महत्व विकास योजनाओं में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन और पेंशन योजनाओं की जानकारी के साथ साथ सरपंचो के वित्तीय एवम प्रशासनिक अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। महिला सरपंचों की राष्ट्र विकास में ग्राम पंचायत के माध्यम से उनकी भागीदारी और निर्णय की भूमिका को सभी ने बहुत बारीकी से समझा। प्रशिक्षण में जनपद पंचायत नागौद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अशोक कुमार मिश्र का मार्गधदर्शन, मास्टर ट्रेनर और कार्यक्रम संयोजक के रूप में कृष्ण कुमार सिंह पीएम आवास प्रभारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि पूर्णिमा बागरी, विकसिता साकेत, श्यामा मिश्रा सहित अन्य शाखा प्रभारियों ने अपनी अपनी योजनाओं की जानकारी सरपंचों को प्रदान की। नवनियुक्त सहायक विकास विस्तार अधिकारियो आंचल,मेनका, नवदीप और आराधना ने सहयोग प्रदान किया । सभी निर्वाचित महिला सरपंचों/प्रतिभागियों ने ऐसे आयोजन के लिए जनपद पंचायत नागोद का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस प्रशिक्षण से पंचायती राज और ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका के बारे उनकी अच्छी समझ विकसित हुई है और अब वो अपने निर्णय स्वयं लेकर अपने ग्राम पंचायत और प्रदेश विकास में भागीदार होंगी।

पं गणेश प्रसाद मिश्र जी आजादी के लिए मां भारती की रक्षा में रहे तत्पर : उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

डॉ राकेश मिश्र ने लाखों सब्जियों के बीजों का किया वितरणः लखन पटेल राज्य मंत्री मध्यप्रदेश

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, पं गणेश प्रसाद मिश्र की की जनशताब्दी पर उनकी जन्मस्थली ग्राम धवर्रा में समृद्ध किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि– उदय प्रताप सिंह मध्यप्रदेश परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री, लखन पटेल जी, पशु पालन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), नरेंद्र कश्यप, राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), गौरीशंकर जी विधायक उरई, कुँ. कामाख्या प्रसाद सिंह जी, विधायक महाराजपुर, श्रीमती आभा कुमार जी, पद्मश्री उमाशंकर पांडे जी, पद्मश्री बाबूलाल दहिया जी, पद्मश्री कंवल सिंह चौहान जी व अतिथियों ने दद्दा जी के श्री चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया व उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि डॉ राकेश मिश्रा जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने अपनी संस्कृति विरासत की रक्षा के लिए समाज सेवा के लिए संपूर्ण परिवार समर्पण भाव से कार्य कर रहा है जो की प्रेरणा का स्रोत है। पं गणेश प्रसाद मिश्र जी आजादी के लिए मां भारती की रक्षा में तत्पर रहे। डॉ राकेश मिश्र जी द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि डॉ राकेश मिश्र जी अपने पिताजी के सपनों को साकार कर रहे हैं। दद्दा जी की स्मृति में चल रहा शासकीय हाईस्कूल मानपुरा का उन्नयन होगा हायर सेकेंडरी में= उदय प्रताप सिंह मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर परम पूज्य दद्दा जी को नमन करता हूं। दद्दा जी ने अपना जीवन समाज कल्याण व पुण्य यज्ञ के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। डॉ राकेश मिश्र जी चाहे कोई भी क्षेत्र हो मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। विगत वर्षों पूर्व जो विद्यालय पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी की पुण्य स्मृति में प्रारंभ किया गया था उस स्कूल को हायर सेकेंडरी तक उन्नयन किया जाएगा। शासन के द्वारा आर्थिक सहयोग से भव्य भवन भी बनाया जाएगा। डॉ राकेश मिश्र ने लाखों सब्जियों के बीजों का किया वितरण= महापौर योगेश ताम्रकार सतना नगर निगम महापौर योगेश ताम्रकार ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि मन समर्पित तन समर्पित चाहता हूं देश को और कुछ दूं। महापौर योगेश ताम्रकार ने आगे कहा कि किसी भी काम को एक बार करना सरल होता है, लेकिन बार-बार करना अकल्पनीय है। डॉ राकेश मिश्र जी का उदाहरण देते हुए महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि डॉ. राकेश मिश्र जी के द्वारा लाखों पैकेट सब्जियों के बीज जो वितरण किया था उनके द्वारा हम अपने-अपने घरों में सब्जियों को उगा रहे हैं। जब से योगी जी मुख्यमंत्री बने गांव गांव का हुआ विकास = डॉ राकेश मिश्र पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी बने हैं तब से हमारे क्षेत्र का व गांव देहातों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। एक समय ऐसा था जब हमारा क्षेत्र विकास से कोसों दूर हुआ करता था, लेकिन आज हमारे गांव में पावर हाउस, सौर ऊर्जा, गौशाला, स्वच्छता, हर घर नल जल योजना के माध्यम से खुशहाल है।

चलता फिरता मुफ्त अस्पताल का हुआ भव्य उद्घाटन: ब्रजेश पाठक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डॉ राकेश मिश्रा ने कहा की मेरी कर्मभूमि सतना है। विगत वर्षों पूर्व हमने प्रायोगिक तौर पर चलता फिरता अस्पताल का प्रयोग किया था ।जिसमें सेवा बस्तियों में निवास करने वाले मरीज की जांच के उपरांत निःशुल्क दवाइयां दी जाती थीं। जिसके सुखद परिणाम प्राप्त हुए हैं।आज आपका अस्पताल आपके द्वार के लिये मरीजों की सेवा के लिए नागरिकों को समर्पित किया जा रहा है। जिसमें फुल बॉडी चैकअप एटीएम जिसके माध्यम से 23 प्रकार की शरीर के रोगों की निशुल्क जांच तुरंत होगी साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा उनका उचित जांच के उपरांत निशुल्क दवाइयां भी दी जावेगी। दद्दा जी ने विश्व कल्याण के लिए किया अतुलनीय कार्य = उत्तर प्रदेश राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप उत्तर प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि डॉक्टर मिश्रा सर्व समाज के शुभचिंतक हैं सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। दद्दा जी ने विश्व कल्याण के लिए कार्य किया है।

किसान है देश की रीढ़= मणिकांत महेश्वरी – संस्कार भारती के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी ने कहा कि किसी भी देश की विकास की रीढ़ किसान होता है जब किसान प्रगति करता है तब हमारा देश भी प्रगति करता है।

अतिथियों व किसानों को अनुपम उपहार के साथ पौधों का हुआ वितरण– समृद्ध किसान समृद्ध बुंदेलखंड सम्मेलन में किसानों एवं अतिथियों को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निशुल्क कपड़े का थैला, सब्जियों के बीज, भगवान राम की फ़ोटो , चाबी के छल्ले एवं फलदार पौधे भेंट किया गया।

किसानों के लिये 18 विभागों की प्रदर्शनी की सराहना: एस पी सिंह बघेल – पं गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर में आयोजित किसान प्रदर्शनी में 18 प्रकार की प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से बाल विकास, सेवा एवं पौस्टिक आहार विभाग, महोबा जिला स्वास्थ्य समिति महोबा, धानुका एग्रोटेक लिमिटेड, पशुपालन विभाग, सुलभ इंटरनेशनल, वन विभाग, मत्सयोद्पादन, रोजगार के अलावा अनेक प्रकार की प्रदर्शनियों लगाईं। जिसको देखने के लिए सभी स्टालों में किसानों ने उत्सुकता के साथ नई-नई जानकारियां, खेती को लाभ का व्यापार बनाने, जैविक खेती के अलावा पशुओं के संरक्षण संवर्धन विभागों द्वारा विस्तार से किसानों को जानकारियां दी।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति– आज के समारोह में पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी की आदमकद अष्ट धातु की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में गंगाचरण राजपूत पूर्व सांसद महोबा, श्रीमती दर्शना सिंह सांसद राज्य सभा, राकेश गोस्वामी(विधायक महोबा), राम नरेश तिवारी(राष्ट्रीय मंत्री किसान मोर्चा, उमेश शुक्ला पूर्व विधायक छतरपुर, कुं. मानवेन्द्र सिंह पूर्व मंत्री, रेखा यादव पूर्व विधायक, पुष्पेंद्र पाठक (पूर्व विधायक), के. के. श्रीवास्तव (पूर्व विधायक), पी. एल. तंतुवाय (पूर्व विधायक), वैभव अरजरिया(अध्यक्ष), बबलू बुधौलिया(चेयरमैन राठ) उमाशंकर मिश्र, चन्द्रभान सिंह गौतम(ज़िलाध्यक्ष भाजपा), अवधेश गुप्ता(महोबा ज़िलाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के समाजसेवी व अधिकारियों ने भाग लिया ।

रीवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने किया हत्या का खुलासा

नाष्टिगवा गांव में प्रेमी के प्यार और उसे पाने की चाहत में मां ने माशूम किशोर को उतारा था मौत के घाट

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
रीवा, मामला रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत पनवार थाना के नाष्टिगवा गांव का है जहा पर 15 जुलाई को 2024 को प्रेमी के प्यार में पागल और उसे पाने की चाहत में एक मां ने संबंधों का विरोध करने वाले अपने 13 वर्षीय मासूम बेटे को ही मौत के घाट उतार दिया था जानकारी लगते ही पनवार थाना प्रभारी, रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल एवं डभौरा एसडीपीओ रूपेंद्र धुर्वे ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई थी और कुछ घण्टो में आरोपी मां और उसके प्रेमी को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की गई। जहा पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया। जिसका आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल ने खुलासा किया। आपको बता दें 15 जुलाई को शाम 6 बजे पनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नाष्टिगवा निवासी आदित्य गुप्ता पिता रामबाबू गुप्ता उम्र 13 वर्ष का घर के कुछ ही दूरी में निर्माणाधीन मकान के अंदर मृत हालत पाया गया था प्रथम दृष्टया ही मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था कि बच्चे की हत्या गला घोटकर की गई थी।

लक्ष्मी को प्राप्त खाकी का संरक्षण, सट्टेबाजी की बिसात

किरण टाकीज क्षेत्र से संचालित, काला कारोबार

महोम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाको में युवा पीढ़ी और आने वाली नस्लों को बर्बाद करने का काम का मानो तथाकथित जनप्रतिनिधियों के जिम्मे ही है वरना दूसरे प्रदेश और देश में हुई घटनाक्रम के विरोध में सफेदपोश कलफदार कुर्ता तान चौक चौराहे पर जिंदाबाद मुर्दाबाद के नारे बुलंद करते नज़र अजय करते है लेकिन सट्टेबाज़ी और जुआ से बर्बाद हुए जारही युवा पीढ़ी को खुली आँखों से बर्बाद होते जिले के जनप्रतिनिधि देख रहे है इसके केवल और केवल दो ही मायने है या सामाजिक बुराई जुआ और सट्टेबाजी के धंधे में साझेदारी है अथवा राजनितिक दुशाला ओढ़े जनप्रतिनिधियों का पानी हुआ जा रहा खून जनता के लिए आवाज उठाने का माद्दा नहीं जुटा पा रहा है तभी तो आपराधिक गतिविधिया इलाके में संचालित है और किसी के कान में जो नहीं रेंग रही है हालकि अब ग्रामीण इलाको से महिलाओ ने यही सामाजिक बुराई के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में है, शुक्रवार जब एक ग्रामीण महिला इस धंधेबाजो की शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंची तो हर कोई इस बढे कदम की तारीफ़ करते नज़र आया।

दरअसल महज चंद मिनट की दूरी वाला राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थापित ग्राम जमुई जहा से खाकी और खादी ने गुजरे सवाल ही नहीं उठता लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है कि जुआ सट्टा से लेकर इन दिनों जगह-जगह इस आदर्श ग्राम में अवैध शराब की न जाने कितनी पैकारी संचालित भी है, जहा एक तरफ शराब ठेकेदार व संबंधित विभागीय अफसर की साठगांठ से छोटी-छोटी दुकानों में शराब की बिक्री कराई जाती है। ग्रामीणों ने शराब की अवैध बिक्री की रोकथाम के लिए शुक्रवार को कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने लिखित शिकायत करते हुए बताया कि जमुई के कुछ प्रभावशाली लोगों के माध्यम से असामाजिक तत्वों को सरंक्षण प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही जगह-जगह शराब व नशीली दवाइयों की बिक्री कराई जाती है।

जरा टटोली जाय यहां नब्ज.....

जहा एक तरफ असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए चौबीसो घंटे पुलिस मसक्कत करते है और ऑफ दा रिकॉर्ड मिली छूट का ही नतीजा है जो जमुई में सड़क किनारे बस स्टैंड के आसपास चाय पान की दुकानों में मांस, मछली व अंडे की दुकानें संचालित हो रही है। वहीं इन्हीं दुकानों में अवैध अहाता संचालित होता है। घरों व दुकानों से प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की बिक्री की जाती है। शिकायत में बताया कि शराब ठेकेदार स्वयं चाय पान की दुकानों में शराब पहुंचाते और महंगे दामों में बिकवाते हैं। वहीं आवास उठाने वाले को झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। 28 मई को गांव के एक युवक को फंसाया गया है। जिसमें आबकारी उपनिरीक्षक युवक के घर आकर 1 लाख रुपए की मांग की नहीं देने पर झूठे केस में फंसा दिया। ग्रामीणों ने एसपी व कलेक्टर से गांव से नशा के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग की है।

जुआ, सट्टा का कारोबार भी जोरों पर

जमुई के प्रभावशाली लोगों के माध्यम से जुआ व सट्टा का कारोबार भी धड़ल्ले से संचालित किया जाता है। गांव के आसपास सूनसान इलाके में जुआ फड़ संचालित होता है। जहां कोयलांचल क्षेत्र के अलावा उमरिया, अनूपपुर व आसपास के लोग दाव लगाने पहुंचते हैं। बीते दिनों सोहागपुर पुलिस ने दबिश देर जुआड़ियों को गिरफ्तार भी किया था। जिसमें कई नामचीन लोगों के नाम सामने आए थे, वहीं कुछ रसूखदारों का नाम पुलिस ने उजागर ही नहीं किया था। वही सुगबुगाहट है की सनपाल नामक सट्टेबाज़ की मिलकियत चुनिंदा लोगो का कद बढ़ने में जुटी हुई है, शहडोल में सटोरिये जुआड़ियों का सीधा सीधा संपर्क जिम्मेदारों के आला अधिकारियो से है अब ऐसे पड़ताल की जरुरत है कौन कितने में और कब बिका ।सूत्रों के मने तो लक्समी पुत्र के मोबाइल व्हाट्सअप कलिंग के रिकॉर्ड खंगाली जाये तो लालफीता से लेकर दो सितारो तक के हाँथ इस कारोबार में काले नजर आएंगे, मामले में जानकारी यह भी है हफ्ता, महीना मंबई सट्टाबाजार की तर्ज में बंधा हुआ है, कार्यवाही में प्रकरण के नाम पर सीधी डील की जाती है हॉल में ही 35 -20 की चर्चा जोरो में है, यह तब हो रहा है जब जिले के कप्तान तथाकथित वर्दी धरियो को उपकृत कर ईमानदारी और कर्तब्य परायणता के लिए कंधे में एक और सितारा लगा चुके है बावजूद देश भक्ति जनसेवा के मायने इन्होने खुद ही बदल डाले है जानकारों की माने थाने के एक परमामेंट दलाल ने सट्टेबाजी के उक्त प्रकरण में डील तय होने के बाद मिष्ठान वितरण किया गया था अब इस मामले में भी कोई तमगा इनको मिलना चाहिए।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक आयोजित

नगर के विकास को लेकर सभी प्रस्ताव हुए सर्वसम्मति से पारित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, नगर पालिका परिषद देवबंद की बोर्ड की बैठक में नगर के विकास को लेकर सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में कांवड़ यात्रा मार्ग में लाइट लगाने के विशेष प्रस्ताव पर भी सभी ने सहमति की मोहर लगाई गई। पालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित हुई बोर्ड की बैठक में माह जनवरी से मई 2024 तक के आय-व्यय का विवरण सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। अमृत कार्यक्रम के तहत नगर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए सात उच्च जलाशय और 14 नलकूप निर्माण कराए जाने की कार्य योजना स्वीकार की गई और आवश्यकतानुसार भूमि के चयन का प्रस्ताव बोर्ड पटल पर रखा गया। विभिन्न स्थानों पर आबादी क्षेत्र में सीसी सड़क निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजे जाने, पालिका के सफाई कर्मचारियों को ठंडी वर्दी दिए जाने, पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक सभासद को 20 पौधे दिए जाने और कावड़ यात्रा मार्ग पर लाइट लगाए जाने का प्रस्ताव पास किया गया। बाजारों को जाम से बचाने के लिए ई रिक्शाओं का रूट चार्ट बनाए जाने, मोहल्ला बैरून कोटला में नया मिनी नलकूप रिबोर कार्य कराए जाने, विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक एवं सार्वजनिक व पिंक शौचालयों की मरम्मत कार्य कराए जाने, लाइसेंसिंग शुल्क दरों में वृद्धि का प्रस्ताव एवं वसूली के लक्ष्य की पूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम चरण में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों आदि पर चरणबद्ध तरीके से स्वकर प्रणाली के अंतर्गत गृहकर जलकर आरोपित किए जाने समेत सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए। इस दौरान सभासद सैय्यद हारिस ने नगर के विभिन्न मुद्दों को बोर्ड में रखा। सैय्यद हारिस ने बोर्ड की मीटिंग में पालिका चेयरमैन के समक्ष अपने विचार रखते हुए दारुल उलूम वक्फ देवबंद दूसरे नंबर की बड़ी मुस्लिम संस्था की बाहर सड़क बनाए जाने को लेकर संस्था की तरफ से लिखित में लेटर पैड लिख कर दिया, नगर की मोहल्ला बैरियों मस्जिद के बाहर की सड़क को बनाने का काम करने की मांग की और 10न टैक्स हर साल बढ़ाए जाने का विरोध किया। वहीं सभासद अफ्शा लियाकत पत्नि आसिफ लियाकत ने बोर्ड की बैठक में वार्ड वासियों की पानी की समस्या को उठाया, जिस पर नया नलकूप निर्माण सर्वसम्मति से पारित किया गया। वार्ड नंबर 15 की सभासद अफशा लियाकत पत्नि आसिफ लियाकत के प्रयास से पानी न आने की समस्या से जूझ रहे वार्ड वासियों को आज पालिका बोर्ड की बैठक में नए नलकूप 125 एचपी का रिबोर का प्रस्ताव स्वीकार किया गया है, जिससे वार्ड वासियों को सुचारू रूप से जल आपूर्ति मिल सकेगी, नलकूप पास होने से वार्ड वासियों में खुशी है और वार्ड वासियों ने पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग व सभासद अफसा लियाकत का आभार व्यक्त किया है। बैठक में अधिशासी अधिकारी डा. धीरेंद्र कुमार राय, सभासद कुलदीप सैनी, शाहिद हसन, अंकित राणा, हारिस सैय्यद, नदीम चौधरी, अर्जुन सिंघल, औसाफ सिद्दीकी, अख्तर अंसारी, हाजी शहजाद, अफशा लियाकत समेत करीब 24 सभासद मौजूद रहे।

भामाशाह ने स्कूल विकास के लिए दिए 5 लाख रुपए

गगराना के सरकारी स्कूल में बनवाएंगे कमरा और बरामदा, बच्चों को मिलेगी सुविधा

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, मेड़ता के गगराना में बच्चों की शिक्षा के लिए एक भामाशाह ने 5 लाख रुपए दिए है। इस राशि से राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में कमरा मय बरामदा बनवाया जाएगा। भामाशाह की ओर से 5 लाख रुपए दिए जाने पर स्कूल में 90 साल के भामाशाह का सम्मान किया गया।स्कूल की प्रधानाचार्य सुचित्रा ने बताया कि शिक्षा का नया सत्र शुरू हो चुका है। स्कूल में बच्चों के बैठने के लिए कमरे की कमी थी। हमने यह बात कुछ भामाशाह को बताई तो 90 साल के भामाशाह भोलाराम धानिया आगे आए। भामाशाह धानिया ने राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल परिसर में कमरा मय बरामदा निर्माण को लेकर 5 लाख रुपए नकद राशि स्कूल को सौंपी। भामाशाह की ओर से स्कूल में कमरा निर्माण के लिए 5 लाख रुपए दिए जाने पर प्रधानाचार्य सुचित्रा, पीईईओ रीता जैन, नेमाराम धानिया, रामलाल, श्रीराम गोरेर, रामजीवन कवलादा, राजेश कच्छावा, मुकेश कुमार मीणा, हंसराज मीणा, अशोक, संजय कुमार सहित स्टाफ ने स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। अब जल्द ही सरकारी स्कूल परिसर में एक बरामदा मय कमरा बनवा दिया जाएगा, ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त जगह मिल सके।

दबाव की राजनीती का शिकार महिला पर झूठी एफआईआर दर्ज

ब्यूटीपार्लर संचालिका ने गृहमंत्री सहित उच्चाधिकारियो से की शिकायत

महोम्मद मुनीर । सिटी चीफ इंट्रोः एक ओर जहा सरकार सीखो कमाओ योजना से पुरषो के साथ साथ महिला बेरोजगारों को कामगार बनाने वाली योजना संचालित है जिसके लिए टॉप तो बॉटम सरकारी अमला दिन रात एक किये हुए वही एक कामगार महिला बनने के लिए जद्दोजहद करती महिला ब्यूटी पार्लर का काम सीख किसी कदर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास में लगी है लेकिन कमजर्फ जमाना महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने देना नहीं चाहता बल्कि झूठे केश मुकदमो में फसा कर एक महिला का आत्म विश्वास कमजोर किया जा रहा है शहडोल में सम्बंधित विभाग के आला अधिकारियो को मामले में निष्पक्ष जाँच कार्यवाही करने की आवश्यकता है....

शहडोल / ब्योहारी। ब्योहारी थाना मे दिनांक 14/05/2024 को एक पार्लर संचालक के खिलाफ बिना कोई ठोस सबूत के पति से आपसी रंजिस होने के कारण सत्ता पक्ष के नेता और विधायक प्रतिनिधि द्वारा स्वजातीय महिला के पक्ष की ओर से तत्कालीन थाना प्रभारी के ऊपर दबाव बनाकर फर्जी मुकदमा क़ायम कराये जाने की चर्चा जोरो मे है। संचालिका द्वारा भी पुलिस द्वारा दर्ज किये गये फर्जी मुकदमा की जांच कराकर न्याय पाने हेतु दिनांक 18/06/2024 को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ब्योहारी, पुलिस अधीक्षक शहडोल, पुलिस महानिरीक्षक जोन शहडोल, पुलिस महानिदेशक भोपाल और गृहमंत्री मध्यप्रदेश शासन भोपाल को पत्र भेजकर कर न्याय की गोहार लगायी गयी है किन्तु अभी तक जांच नहीं की गयी है। उच्चाधिकारियों को भेजे गए पत्र की प्रति उपलब्ध कराते हुए पार्लर संचालिका ने बताया कि

क्या है मामला - ब्योहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत टोपनदास तिराहे पर स्थित

सानिया ब्यूटीपार्लर का संचालन किया जा रहा है । पार्लर 10म30 के कमरे मे संचालित है जिसमे अलग से मेकअप के लिये कोई कमरा नहीं बना है, एक तरफ मेकअप का कार्य किया जाता है और दूसरे तरफ वासवेसिंग लगा हुआ है जंहा हाथ मुँह धुलते है। दिनांक 26/04/2024 को अनामिका सिंह अपनी बहन का मेकअप कराने के लिये पार्लर मे आयी थी और मेकअप करा कर अपना समान बैग मे रख कर विवाह स्थल विवाह घर चली गयी। दूसरे दिन अनामिका सिंह के पति दिनांक 27/4/2024 को करीब 12 बजे के लगभग अर्डिफिशियल ज्वेलरी पंहुचाने पार्लर मे आये थे किन्तु उनके द्वारा भी कंगन गुमने के संबंध मे कोई बात नहीं की गई थी दिनांक 28/04/2024 को सुबह अनामिका सिंह द्वारा फोन किया गया कि मेरा कंगन कंही गुम गया है जो मिल नहीं रहा, गुरुजी द्वारा बताया जा रहा है कि तुम्हारा कंगन पार्लर मे गिरा है तब मेरे द्वारा कहा गया कि मै नहीं जानती हूँ सुबह साफ सफाई पार्लर की मेरे द्वारा की गयी है मुझे कुछ नहीं मिला है। तब अनामिका सिंह द्वारा बोला गया कि जो उस दिन लड़कियां थी उन्हें बुला लीजियेगा हम लोग उनसे पूछ तांछ करने आ रहे है। फोन के कुछ देर बाद अनामिका और उसके पति धर्मेंद्र सिंह पार्लर आये और उस दिन सहयोग के लिये जो सात लड़कियां कविता, नम्रता, रसमी,मोना, निसा, प्रतीक्षा एवं नेहा आदि सभी आयी थी उन्हें मेरे द्वारा बुला लिया गया था उनसे पूंछ तांछ की गयी साथ ही पार्लर की तलासी ली गयी कुछ न मिलने के कारण वो लोग वंहा से चले गये और उसी दिन थाना जा कर लिखित मे सूचना दी गयी। दिनांक 10/05/2024 को ब्योहारी थाना से एस. आई. चक्रवार साहब एवं ललिता पटेल पूँछ - तांछ करने के लिये पार्लर अनामिका सिंह एवं उसके परिवार के लोगो को साथ मे लेकर आये थे जिनके द्वारा 26/04/2024 एवं 27/04/2024 के सीसीटीवी की वीडियो रिकार्डिंग ली गयी थी।

चेंजिंग रूम का कैमरा होता है बंद.....

पार्लर संचालिका द्वारा बताया गया कि दिनांक 26/04/2024 को लगन होने के कारण उस दिन काफी भीड़ भाड़ था साम 4.30 तक मेरे द्वारा एक ब्राइडल का मेकअप कर दिया गया था जिसका फोटो सूट करने एवं भीड़ - भाड़ होने के कारण कई महिलाओ द्वारा चेंजिग रूम के बाहर ही कपड़ा चेंज किया जा रहा था जिस कारण कैमरा को बंद कर दिया गया था। कैमरा उसी दिन केवल बंद नहीं किया गया था, पूर्व मे भी जब - जब भीड़ भाड़ होता थाऔर महिलाओ द्वारा कपड़ा चेंज चेंजिग रूम न कर बाहर ही किये जाने के कारण कैमरे को बंद कर दिया जाता था जिसे पूँछ - तांछ करने आये एस. आई. चक्रवार साहब एवं ललिता पटेल द्वारा देखा भी गया है।

मागने पर नहीं दी कंगन तो तुरंत ही पुलिस को क्यों नहीं दी सूचना -

पार्लर की संचालिका कल्पना गुप्ता द्वारा बताया गया कि मेरे द्वारा ब्राइडल मेकअप के अलावा अन्य का मेकअप सिर्फ चेहरे का किया जाता है न कि हाथ का। हाथ से मेकअप का कोई लेना देना नहीं है कि वो क्या पहनी है क्या नहीं पहनी है अपनी स्वेच्छा से जिसे जो पहनना हो पहेन सकता है फिर कंगन उतरवाने का सवाल ही नहीं उठता है। किन्तु थाना ब्यौहारी मे मेरे विरुद्ध बिना किसी साक्ष्य एवं तथ्य के जो मामला पंजीबद्ध किया गया है वह गलत है और इसीलिए मैंने उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की है । विचारणीय प्रश्न यह है कि यदि अनामिका सिंह द्वारा मुझे कंगन रखवाया गया था और मागने पर नहीं दिया गया तो उनके द्वारा उक्त बात की सूचना तुरंत ही पुलिस को क्यों नहीं दी गयी, 100 डायल को क्यों नहीं बुलाया गया,क्यों इतना कीमती समान को छोड़ कर वंहा से चली गयी जबकी पार्लर से थाने की दूरी मुश्किल से 300 मीटर है जो स्वयं ही बहोत बड़ा सवाल है दूसरे दिन उनके पति आर्टिफिशियल ज्वेलरी लौटाने आये तब भी कंगन के संबंध में कोई बात नहीं की गई । किन्तु पुलिस द्वारा इस बात को नजर अंदाज करते हुए नेताओं के दबाव मे मेरे खिलाफ कंगन मागने पर कंगन न दिये जाने का मन गढंत लेख कर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया गया है जिसकी जांच हेतु मेरे द्वारा शिकायत उच्चाधिकारियो से की गयी है।

एफआईआर के पूर्व लिये गये मेरे कथन की नहीं हुई जांच -

बताया गया कि एफआईआर के पूर्व मेरे कथन थाना मे पदस्थ ललिता पटेल द्वारा दर्ज किया गया है किन्तु उस पर कोई जांच नहीं की गयी, मेरे बताये अनुसार किसी से कथन नहीं लिये गये और सत्ता पक्ष के नेताओं के दबाव पर तत्कालीन थाना प्रभारी द्वारा दिनांक 14/05/2024 को मेरे खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कर बाहबाही लूटी गयी, और मेरे प्रतिष्ठान को बदनाम करने की साजिश रची गई यदि मेरे कथन की जांच पुलिस द्वारा की जाती तो पूरा का पूरा मामला स्पष्ट हो जाता और मेरे ऊपर फर्जी मुकदमा क़ायम नहीं हो पाता।

घटना दिनांक को पार्लर मे मौजूद लोगों का कहना है -

मै सानिया ब्यूटीपार्लर मे पार्लर सीखने जाती हूँ। 26/04/2024 को भीड़ - भाड़ होने के कारण मै वंहा रुकी थी, अनामिका सिंह की बहन का मेकअप दीदी द्वारा किया गया था अनामिका का नहीं किया गया था। उस दिन कोई घटना नहीं हुई थी अनामिका सिंह द्वारा अपना पूरा समान बैग मे रख लेकर चली गयी थी जो आरोप लगा कर थाने मे शिकायत की गयी है वह गलत है।

मोना गुप्ता

मै पार्लर का काम दीदी से सीखती हूँ। उस दिन मै वंहा थी ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। मेकअप कराने के बाद अनामिका सिंह अपनी बहन के साथ पूरा समान बैग मे रख कर ले कर चली गयी थी। भीड़ भाड़ होने के कारण कई लोग चेंजिग रूम के बाहर ही कपड़ा चेंज करने लगती है एवं पार्लर मे एक ही रूम है अलग से कोई कमरा नहीं है वैक्स बगैरा का काम होता है जिससे लोगों को आपत्ति होने के कारण कैमरा को बंद कर दिया जाता है। दीदी पर लगाया गया आरोप झूठा है।

प्रतीक्षा मिश्रा

मै पार्लर का काम यंहा सीखती हूँ। जिस दिन की घटना बताई जा रही है मै उस दिन पार्लर मे थी वंहा ऐसी कोई घटना घटित नहीं हुई है। मेकअप के बाद अनामिका सिंह अपनी बहन के साथ बैग मे पूरा समान रख कर लेकर चली गयी थी। उनके द्वारा दीदी को कंगन नहीं रखवाया गया था तो मांगने का सवाल ही नहीं उठता है। अनामिका सिंह द्वारा झूठा आरोप लगा कर थाने मे शिकायत की गयी है। यदि मांगने पर दीदी द्वारा समान नहीं दिया जा रहा था तो उनको तुरंत ही पुलिस को सूचना देना चाहिए था क्यों वंहा से चली गयी। जो आरोप लगाया गया है वह झूठा है।

निसा चतुर्वेदी

मुझे इस संबंध में जानकारी प्राप्त हुई है किन्तु इस मामले को लेकर पुलिस द्वारा बिना जांच के की गई कार्यवाही उचित नहीं है अगर कंगन 26 तारीख को पार्लर संचालिका के द्वारा नहीं दिया जा रहा था तो इस बात की जानकारी आस पास के लोगों एवं परिजनों को तुरंत क्यों नहीं बताया गया, पुलिस को सूचित क्यों नहीं किया गया 27 तारीख को अनामिका सिंह के पति आर्टिफिशियल ज्वेलरी लौटाने आये तब भी कंगन के संबंध में कोई बात नहीं किये, ये सब विचारणीय प्रश्न है और इस प्रकार से किसी व्यापारी को बदनाम करने की साजिश की मै निन्दा करता हूँ और उच्चाधिकारियों से अपील है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर लगाये गये फर्जी मुकदमा पर खात्मा की कार्यवाही की जाय ।अगर प्रशासन झूठे मामले में खात्मा की कार्यवाही नही करता है तो व्यापारी संघ लोकतांत्रिक ढंग से कार्यवाही के लिए बाध्य होगा।

जय प्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष (व्यापारी संघ ब्यौहारी)

घनश्याम दास गर्ग ने कहा- व्यापारियों का उत्पीड़न किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ नागल । सहारनपुर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल नागल की समीक्षा बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रेलवे रोड स्थित गुप्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पर आयोजित व्यापारियों की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने कहा कि व्यापारी वर्ग देश में सबसे बड़ा टैक्स प्रदाता है व्यापारी द्वारा जमा कराए गए टैक्स से ही सरकार अपना कार्य करती है लेकिन सरकार इस टैक्स से सांसदों, विधायकों व अधिकारियों कर्मचारियों को पेंशन तो देती है लेकिन इसकी असली हकदार व्यापारी को पेंशन नहीं दी जाती। हमारी मांग है कि प्रत्येक व्यापारी को 60 वर्ष के बाद कम से कम तीन हजार रूपए प्रतिमाह पेंशन दिया जाना नितांत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्युत दरों में भी सरकार व्यापारियों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपना रही है। घरेलू दरों की अपेक्षा व्यावसायिक बिजली को दोगुना रेट पर किया गया है। जो सरासर

अन्याय है। उन्होंने कहा कि मान-सम्मान के लिए ही व्यापारी जीता है और इसी के लिए काम करता है लेकिन सरकार के कर्मचारी व अधिकारी व्यापारी को एक दूध देती गाय समझते हैं और उसका उत्पीड़न करते हैं। उन्होंने कहा कि जब व्यापारी हर अधिकारी व कर्मचारियों को साहब कहकर पुकारता है तो व्यापारी व कर्मचारियों को भी सभी व्यापारियों को व्यापारी साहब कहकर बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी 22 सितंबर को मुजफ्फरनगर में संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन है जिसमें इस कस्बे के अधिक से अधिक व्यापारी कार्यक्रम में अवश्य पहुंचे। जिला अध्यक्ष जयवीर राणा ने कहा कि सभी व्यापारी आपसी संगठन को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई अधिकारी व कर्मचारी जाकर किसी व्यापारी का उत्पादन करता है तो सभी व्यापारी एकत्र होकर उसका विरोध करें। उन्होंने सभी व्यापारियों से प्रत्येक माह संगठन की बैठक आयोजित कर हर किसी व्यापारी का सुख-दुख बांटने की अपील की। इस दौरान मुख्य रूप से संरक्षक अजय अग्रवाल, विपिन होंडा, प्रणव गुप्ता, मुकेश माहेश्वरी, ओम प्रकाश जैन, जयपाल अहलूवालिया, जावेद मलिक, शोएब, समीर, विजेंद्र कुमार, राजवीर आदि उपस्थित रहे।

रेलवे में बायो टॉयलेट-पटरी/प्लेटफार्म से गंदगी हटने के साथ ही हैं पर्यावरण अनुकूल

उत्तर पश्चिम रेलवे की सभी गाड़ियों के डिब्बों में लगाए गए 11000 बायो टॉयलेट

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ भारतीय रेलवे द्वारा ट्रेनों और आसपास के वातावरण को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिये डिफेन्स रिसर्च एवम् डेवलपमेंट संस्थान के तकनीकी सहयोग से सभी ट्रेनों के सवारी डिब्बो मे बायो टॉयलेट लगाने का कार्य किया गया है।उत्तर पश्चिम रेलवे की सभी सवारी गाड़ियों के डिब्बों में लगभग 11000 बायो टॉयलेट लगा दिए गए हैं।उत्तर पश्चिम रेलवेके मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार परंपरागत टॉयलेट से स्टेशनों एवं रेलवे ट्रैक पर अत्यधिक गंदगी को देखते हुए वर्ष 2013 से डिफेन्स रिसर्च एवम् डेवलपमेंट संस्थान के तकनीकी सहयोग से सभी ट्रेनों के सवारी डिब्बो मे बायो टॉयलेट लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया था। बायो-टॉयलेट एक संपूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन समाधान है जो बैक्टीरिया इनोकुलम की मदद से ठोस मानव अपशिष्ट को बायो-

गैस और पानी में बदल देता है। समय समय पर आवश्यकतानुसार मात्रा कम होने पर इन बैक्टीरिया को बायो टैंक मे डाला जाता है। बायो-टॉयलेट का बचा हुआ पानी रंगहीन, गंधहीन और किसी भी ठोस कण से रहित होता है। इसके लिए किसी और उपचार/अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे वातावरण पर्यावरण अनुकूल रहता है। बायो-टॉयलेटके प्रयोग से रेल लाइन पर अपशिष्ट पदार्थ एवं पानी नहीं गिरता है, जिससे जंग आदि की समस्या नहीं होने से रेलवे ट्रैक की गुणवत्ता एवं उम्र में बढ़ती है। बायो-टॉयलेटके प्रयोग सेकोच मेंटेनेंस स्टाफ को भी डिब्बे के नीचे अंडर फ्रेम में कार्य करते समय गंदगी और बदबू से राहत मिलती है। कैप्टन शशि किरण के अनुसार समय-समय पर इन बायोटॉयलेट के उन्नयन हेतु भी प्रयास किये जा रहे हैं। इन बायो टॉयलेट के उपयोग के दौरान यात्री फीडबैक एवं अन्य समस्याओं को दूर करते हुए कई बदलाव किये गए हैं जैसे की पी ट्रैप को एस ट्रैप मे बदला गया है, इससे शौचालयों मे वाटर सील बन जाती है जिसके कारण बदबू की समस्या नहीं रहती है। साथ ही उचित वेंटिलेशन की भी व्यवस्था की गई है। चलती गाडियों मे इन शौचालयों मे आने वाली समस्या के तवरित निदान हेतु प्रशिक्षित कर्मचारियों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया जाता है। शौचालयों मे कूड़ेदान की व्यवस्था भी की गयी हे ताकि कचरे का निपटान ठीक प्रकार से हो एवं बायो टॉयलेट चॉक न हो। इन बायो टॉयलेट शौचालयों के सही तरह से कार्यशील व् पर्यावरण अनुकूल रखने हेतु निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थो की आवधिक जाँच की जाती है। इस जाँच हेतु विभिन्न मंडलों मे प्रयोगशाला स्थापित की गयी है। जयपुर में स्थापित प्रयोगशाला NABL से प्रमाणित प्रयोगशाला है।सभी यात्रियों से अनुरोध हे कि इन शौचालयों के सही तरह से कार्य करने हेतु रेलवे का सहयोग करें। यात्रीगण इन शौचालयों मे अखबार, नैपकिन, बोतल, प्लास्टिक, पोलीबैग, कपडा, गुटके का पाउच, चाय के कप व् अन्य कचरा इत्यादि न डालें।आवश्यकता होने पर शौचालय मे रखे कूड़ेदान का उपयोग करे। उपयोग के बाद कृपया फ्लश अवश्य चलाये एवं शौचालय को व्यर्थ ही गन्दा न करे। जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाए, गंदगी के खिलाफ जंग में रेलवे की सहायता करें।

मेड़ता सिटी जंक्शन चार महानगरों सहित देश के प्रमख शहरों से जुड़ा

लेकिन रोडवेज सेवा से अभी भी दूर, रोडवेज बस नहीं आती मेड़ता रोड

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, नागौर जिले में रेलवे की दृष्टि से मेड़ता रोड जंक्शन देश के चार महानगरों सहित देश के प्रमख बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। मगर परिवहन सेवा पर एक नजर डाली जाए तो आज तक जिला मुख्यालय से रोडवेज सेवा से नहीं जुड़ सका। रेल परिवहन के लिहाज से नागौर जिले का मेड़ता रोड जंक्शन अपनी अलग पहचान बनाये हुए है। इसके साथ ही राजस्थान पथ परिवहन निगम की सेवाओं को देखे तो ऊँट के मुंह में जीरे की कहावत कस्बे में सही और सटिक चरित्रार्थ होती है। चाजार आ सभी मेड़ता रोड? आस्सा संचालित ट्रेनों व बसों से सीधे जुड़े हुए है। सरपंच प्रेम झोटवाल, मंडल सदस्य कैलाश मेघवाल, भाजपा नेता कैलाश लटियाल, कैलाश चंद शर्मा, भास्कर आईटीआई के कमल शर्मा, समाजसेवी रामेश्वर गहलोत, रामनिवास लटियाल, शिम्भू शर्मा, रतनलाल, विनय माहेश्वरी, राहुल सेठी, विष्णु गुप्ता आदि ने बताया

कि इस संबंध में शीघ्र ही प्रतिनिधि मंडल सांसद महिमा सिंह, विधायक लक्ष्मण राम कलरू से मिलकर रोडवेज सेवा चालु करवाने की मांग प्रबलता के साथ रखी जाएगी।

27 वर्षों से एक ही रोडवेज बस जोधपुर से ओलादन तक, निजी बसों का संचालन मेड़ता रोड में आज भी सताईस वर्षों से एक ही रोडवेज बस जोधपुर से ओलादन तक संचालित हो रही थी। जबकि निजी बसें मेड़ता रोड से विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में करीब चालीस से अधिक संचालित हो रही है। ऐसे में यहाँ के लोग निजी बसो के भरोसे ही सफर कर रहे है और मनमाना किराया अदा करने के लिए मजबूर है। यहां से प्रतिदिन यात्री नागौर, जोधपुर, अजमेर, ब्यावर, पाली, जैतारण तक का सफर तय करते है। मेड़ता रोड आज तक जिला मुख्यालय से रोडवेज की सुविधा से नहीं जुड़ सका है। जिससे परेशानी हो रही है।

धार्मिक व पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है मेड़ता रोड धार्मिक व पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है कस्बा धार्मिक व पर्यटन की दशा से कस्बे को देखा जाए तो कस्बे में प्राचीन ब्रह्माणी मन्दिर एवं प्राचीन जैन तीर्थ स्थान भगवान श्री पार्श्वनाथ का मन्दिर स्थित है। वही भक्तशिरोमणी मीरा बाई का मन्दिर मेड़ता सिटी, धार्मिक नगरी पुष्कर, माता भंवाल, पावणी नाड़ी लाम्बा जाटान, बुटाटी धाम सहित अन्य स्थानो पर देशी-विदेशी पर्यटक, रेल यात्री भारी संख्या में यहां पर उतरते है।

सुद्रासन के खिलाड़ियों का सूरतगढ़ में दबदबा

झुंझुनूं की टीम को 14 -1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ डिडवाना, डिडवाना जिले के ग्राम सुद्रासन मे स्थित अरीना सोकर अकादमी की छात्रा खिलाडियों का सूरतगढ़ जिला गंगानगर मे भारी दबदबा रहा! गंगानगर जिले के सूरतगढ़ मे चल रही अंडर-14 छात्रा राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता मे जैसलमेर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए सुद्रासन की बालिकाओ ने पहला मैच अजमेर जिले को 2-1 से व क्वाटर फाइनल मे लगातार दूसरा मैच झुंझुनू जिले की टीम को 4-1 के अंतराल से हराकर सेमीफाइनल मे प्रवेश किया है ! जिसमे अब तक के टीम की कैप्टन हिना खान का डिफ़ेंस मे बेहतरीन प्रदर्शन रहा है व टीम मे शामिल तनिशा ,आफरीन बानो,हंसिका,अमृता,नव्या,रुचिका, ऋतिक,सनाया खान,प्रीति,अक्षिता,प्रतिज्ञा सैन,खुशबु व इस प्रतियोगिता की सबसे शानदार गोलकीपर प्रतिज्ञा मेहरा का बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं! अकादमी के सरक्षक शादाब उस्मानी के उपलक्ष्य मे इस गाँव के खिलाडियों के लिए विधालय प्रतियोगिता के अलावा राजस्थान की प्रतियोगिताओं मे अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला हैं टीम के साथ टीम कोच राजीब दास, टीम मनेजर सुमन वर्मा व ताबिश उस्मानी भी मौजूद हैं! अकादमी का अगला सेमीफाइनल मैच बीकानेर जिले की टीम से होना है जो की राजस्थान की अब तक की सबसे सर्वश्रेष्ठ टीम बताई गई हैं! डिडवाना के मारवाड रुप ऑफ चयरमेंन डॉ.सोहन चौधरी व अकादमी के इस्पौंसर शहजाद कुरेशी व गाँव के शारीरिक शिक्षक देव करण सूबेदार, सरपंच भागीरथ जी व सभी ग्राम वासियों ने टीम को जीत की बधाई देते हुए सेमीफाइनल मे प्रवेश करने के लिए शुभकामनाएं दी!

मेड़ता पहुंचे नागौर कलेक्टर, सीएचसी परिसर का किया निरीक्षण, ब्लॉक लेवल अधिकारियों की बैठक ली

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, नागौर जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित आज शाम 5 बजे मेड़ता सिटी पहुंचे। कलेक्टर ने बजट घोषणा में उपजिला अस्पताल की घोषणा के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जमीन की उपलब्धि सहित नॉर्म्स और प्रस्तावों को लेकर अवलोकन किया। इसके बाद जिला कलेक्टर ने देरानी तालाब परिसर में पौधे भी लगाए। नागौर से मेड़ता पहुंचे जिला कलेक्टर पुरोहित ने उपखंड अधिकारी पूनम चोयल, पालिका अधिशासी अधिकारीपवन मीणा सहित अधिकारियों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। आपको बता दें कि राज्य सरकार के विगत दिनों पेश किए गए बजट में मेड़ता शहर की सीएचसी को उपजिला अस्पताल में क्रमोन्नत कर दिया गया है। अब यहां सब डिस्ट्रिक्ट लेवल हॉस्पिटल की कवायद को लेकर कलेक्टर ने जरूरी बातों को लेकर सीएचसी का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यवाहक मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के तंवर, डॉ. ओ.पी ईनाणी, डॉ. दौलतराम चौधरी के साथ उप जिला अस्पताल के लिए परिसर स्थित जमीन, बिल्डिंग निर्माण को लेकर भौतिकी स्थिति देखकर चिकित्सकों से अब तक की गई कवायद की जानकारी ली। इसके बाद जिला कलेक्टर ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर संपर्क पोर्टल, पीएफआई सहित सहित विभागीय योजनाओं को लेकर समीक्षा की। **देरानी सरोवर ओरण में लगाए पौधे, दिया पानी** जिला कलेक्टर ने इसके बाद शहर के प्राचीन व परम्परागत जल स्त्रोत देरानी सरोवर ओरण में मानसून सीजन के मद्देनजर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देतेहुए पौधरोपण किया। साथ ही पौधों में पानी भी दिया। कलेक्टर पुरोहित ने बताया कि मेड़ता पहुंचकर राजस्थान सरकार की ओर से की गई बजट घोषणा को लेकर रिव्यू लिया गया। मेड़ता चिकित्सालय सीएचसी से उप जिला अस्पताल बनने के बाद जमीन के इश्यू को लेकर अवलोकन किया गया है। कृषि उपज मंडी के विस्तार को लेकर भी प्रस्ताव तैयार करवाने, मेड़ता रोड नगरपालिका की कवायद को लेकर चर्चा की गई है।

फर्जीवाड़े की हदः ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर ने अटेंप्ट से ज्यादा बार दी यूपीएससी परीक्षा, अपना और मां-पिता का नाम तक बदला, तस्वीर, सिग्नेचर, ई-मेल आईडी फर्जी दिए, यूपीएससी ने दर्ज की एफआईआर

पूजा मैडम की लाल बत्ती गुल

नई दिल्ली। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर मामले में संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी ने अपनी जांच पूरी कर ली है। इस जांच में जो नतीजे आए हैं वो चौंकाने वाले हैं। जांच में पाया गया है कि पूजा ने कई सारे घपले किए हैं। उन्होंने अपने अटेंप्ट से यादा बार यह परीक्षा दी। इसके लिए उन्होंने अपना, अपने पिता और मां का नाम तक बदला। यही नहीं, उन्होंने कई फर्जीवाड़े किए हैं। उन्होंने अपनी तस्वीर, सिग्नेचर, ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर तक फर्जी दिए थे। यूपीएससी ने पूजा के इस फर्जीवाड़े पर अब सख्त कार्रवाई की है। संघ लोक सेवा आयोग ने पूजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा आयोग ने खेडकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों नहीं उनके चयन को रद्द कर दिया जाए। उन्हें भविष्य में किसी भी तरह की परीक्षा से प्रतिबंधित किया जाए। आयोग के निर्देश पर पूजा के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई हो सकती है।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा-2022 की कैंडिडेट पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर, के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। यूपीएससी ने अपनी जांच में पाया है कि खेडकर ने अपना नाम, अपने माता-पिता का नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर फर्जी पहचान बनाई थी। इसके जरिये उन्होंने परीक्षा नियमों के तहत तय सीमा से यादा बार परीक्षा दी। यूपीएससी ने उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया है। सिविल सेवा परीक्षा-2022 की उनकी उम्मीदवारी रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं/चयनों से प्रतिबंधित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

यूपीएससी ने उठ रहे सवालों पर भी दिया जवाब

पूजा खेडकर के खिलाफ जांच प्रक्रिया के बाद

यूपीएससी ने ये जानकारी दी। आयोग ने 19 जुलाई, 2024 को प्रेस रिलीज जारी कर इस मामले में अपना पक्ष रखा। आयोग ने कहा कि वह अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन करते हुए पूरी निष्पक्षता और नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए अपनी सभी परीक्षाओं का संचालन करता है। यूपीएससी ने अत्यंत निष्पक्षता और नियमों के कड़ाई से पालन के साथ अपनी सभी परीक्षा प्रक्रियाओं की पवित्रता और अखंडता सुनिश्चित की है।

आयोग ने विश्वसनीयता और भरोसे का किया जिक्र यूपीएससी ने कहा कि उसे देश की जनता, खासकर अपने कैंडिडेट्स का भरोसा और विश्वसनीयता हासिल है। आयोग ने कहा है कि यूपीएससी ने लोगों, खासकर उम्मीदवारों का बहुत हाई लेवल की विश्वसनीयता अर्जित की है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि इस तरह का विश्वास और विश्वसनीयता बरकरार रहे और इसमें किसी भी तरह से समझौता न हो।

इस तरह विवादों में घिरीं पूजा खेडकर पूजा खेडकर का नाम हाल ही में अचानक सुर्खियों में आ गया। उन्होंने वढरउ परीक्षा में 821वीं रैंक हासिल की थी और प्रोबेशन पीरियड में थी। पूजा उस समय विवादों में घिर गईं जब उन्होंने अपनी निजी ऑडी कार का इस्तेमाल लाल-नीली बत्ती और वीआईपी नंबर प्लेट के साथ किया। उन पर सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट और अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र जमा करने समेत फर्जीवाड़े के कई आरोप भी लगे थे। इन विवादों के बीच, महाराष्ट्र सरकार ने पिछले हफ्ते खेडकर का ट्रांसफर पुणे से वाशिम कर दिया था। इसी बीच, केंद्र सरकार ने सिविल सेवा में उम्मीदवारी हासिल करने के लिए पूजा खेडकर की ओर से जमा किए गए सभी दस्तावेजों की जांच के लिए एक समिति भी बनाई। अब यूपीएससी ने जांच के बाद पूजा मामले में और भी कई अनियमितता पाई। जिसके बाद एफआईआर दर्ज कराया गया और कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है।

राष्ट्रपति बनने से पहले ट्रंप ने हमास को दी धमकी

मिला करारा जवाब- इजरायल को अशुभ विनाश से बचाओ

इंटरनेशनल डेस्कः इजरायल-हमास युद्ध के बीच राष्ट्रपति बनने से पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को धमकियां देना शुरू कर दी हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने कहा है कि हमास अगर उनके राष्ट्रपति बनने से पहले बंधकों को नहीं लौटाता तो उसे बड़ी कीमत चुकानी होगी। गुरुवार को रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिलिस्तीनी संगठन हमास को धमकाते हुए कहा कि अगर उनके राष्ट्रपति बनने से पहले बंधकों को नहीं छोड़ा तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी होगी । इस बीच फिलिस्तीनी हमास आंदोलन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूजवीक के साथ साझा की टिप्पणियों में ट्रंप को कुछ अनचाही सलाह दी है, क्योंकि रिपब्लिकन उम्मीदवार व्हाइट हाउस में अपने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी से अलग होने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने गुरुवार को रिपब्लिक नेशनल कन्वेंशन में अपनी पार्टी के नामांकन को स्वीकार करने के बाद दिए अपने 90 मिनट के भाषण में गाजा में चल रहे युद्ध का जिक्र किया और कभी भी हमास का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अनुमानित आठ अमेरिकी बंधकों के भाग्य के बारे में पूरी दुनिया को एक अशुभ चेतावनी जारी की, जिनके बारे में माना जाता है कि वे फिलिस्तीनी मिलिशिया द्वारा पकड़े

गए हैं। ट्रंप ने कहा ,हम अपने बंधकों को वापस चाहते हैं, और बेहतर होगा कि वे मेरे पदभार ग्रहण करने से पहले वापस आ जाएं, अन्यथा आपको बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए हमास के प्रवक्ता बासेम नईम ने एक बयान में कहा कि ऐसे बयान सुनकर दुख हुआ, क्योंकि इससे पता चलता है कि यहां संघर्ष के प्रति अमेरिकी नीतियां गैर-पक्षपाती मुद्दा है और चाहे चुनाव में कोई भी जीत जाए, इजरायल के प्रति अमेरिका का अंधा और शर्मनाक समर्थन जारी रहेगा। 7 अक्तूबर को हमास ने जिन लोगों को बंधक बनाया था, उसमें अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे।ट्रंप ने कहा, हम अपने बंधकों को वापस चाहते हैं. अछा होगा कि मेरे राष्ट्रपति बनने से पहले उन्हें छोड़ दिया जाए ट्रंप की इस बात पर उनके समर्थक भी अपना समर्थन जताते नजर आए। वो उन्हें (बंधकों) वापस लाओ के नारे लगा रहे थे। हमास ने ट्रंप के एक समर्थक रोनेन न्यूट्रा के अमेरिकी-इजराइली बेटे उमर को भी बंधक बनाया है। पार्टी सम्मेलन में रोनेन ने कहा कि ट्रंप ने इस संबंध में उनसे बात की है। उन्होंने बताया, हमले में जब उमर को बंधक बना लिया गया, ट्रंप ने उसे बात की थी। हम जानते हैं कि वो अमेरिकी बंधकों के साथ हैं। बता दें कि इजरायल-फिलिस्तीन में दशकों से तनाव चला आ रहा है। पिछले साल 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इजरायल के दक्षिणी हिस्से पर हमला कर दिया था जिसमें 1,200 इजराइली नागरिकों की जान चली गई थी और हमास लड़ाकों ने 251 लोगों को बंधक बना लिया था जिसमें कई अमेरिकी भी शामिल थे। बंधकों में कुछ को छुड़ाया गया है लेकिन अब भी सैकड़ों बंधक हमास के कब्जे में हैं। जवाब में इजरायल ने हमास के नियंत्रण वाले गाजा शहर पर हमले शुरू कर दिए थे जो अब तक जारी हैं।इस लड़ाई में कम से कम 38,848 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 89,459 लोग घायल हुए हैं।

UN प्रमुख ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर जताई चिंता, अब तक भारी संख्या में लोग गंवा चुके जान

इंटरनेशनल डेस्कः संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस बांग्लादेश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं और वहां जारी हिंसा से बेहद चिंतित हैं। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर देश में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बृहस्पतिवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हम ढाका और बांग्लादेश के अन्य स्थानों पर घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बांग्लादेश सरकार से बातचीत के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की अपील की, साथ ही गतिरोध दूर करने के लिए प्रदर्शनकारियों से बातचीत में शामिल होने का आग्रह किया। दुजारिक ने कहा, ''हिंसा कोई हल नहीं है। उन्होंने कहा कि गुतारेस बेहतर विश्व के निर्माण में युवाओं की सार्थक और रचनात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव बांग्लादेश में जारी हिंसा से बहुत चिंतित हैं जिसमें 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है और पत्रकारों सहित सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ कई दिनों से रैलियां कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान राजधानी ढाका तथा अन्य जगहों पर हिंसा भड़कने से कम से कम 18 और लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। इसके साथ ही विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 25 हो गई है।

बांग्लादेश में कर्फ्यू, सेना ने मोर्चा संभाला

आरक्षण के खिलाफ हिंसा में अब तक 105 की मौत; 405 भारतीय स्टूडेंट्स घर लौटे

इंटरनेशनल डेस्कः बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार (19 जुलाई) देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसमें 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 405 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने शुक्रवार को नरसिंगडी जिले में एक जेल पर धावा बोल दिया था। उन्होंने सैकड़ों कैदियों को जेल से छुड़ाने के बाद वहां आग लगा दी थी। इससे पहले गुरुवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी बीटीवी ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से यादा गाड़ियां फूंक दी। उसी दिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीटीवी को इंटरव्यू दिया था।

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर प्रदर्शन की वजह बांग्लादेश 1971 में आजाद हुआ था। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इसी साल से वहां पर 80 फीसदी कोटा सिस्टम लागू हुआ। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30%, पिछड़े जिलों के लिए 40%, महिलाओं के लिए 10% आरक्षण दिया गया। सामान्य छात्रों के लिए सिर्फ 20% सीटें रखी गईं। 1976 में पिछड़े जिलों के लिए आरक्षण को 20% कर दिया गया। इससे सामान्य छात्रों को 40% सीटें हो गईं। 1985 में पिछड़े जिलों का आरक्षण और घटा कर 10% कर दिया गया और अल्पसंख्यकों के लिए 5% कोटा जोड़ा गया। इससे सामान्य छात्रों के लिए 45% सीटें हो गईं। शुरू में स्वतंत्रता सेनानियों के बेटे-बेटियों को ही आरक्षण मिलता था लेकिन 2009 से इसमें पोते-पोतियों को भी जोड़ दिया गया। 2012 विकलांग छात्रों के लिए भी 1% कोटा जोड़ दिया गया। इससे कुल कोटा 56% हो गया।

6 साल पहले सरकार ने कोटा सिस्टम बंद किया था साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फिर से आरक्षण देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील भी की मगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए। अब इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है।

हिंसा में अब तक 105 लोगों की मौत अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हफ्ते छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 105 लोग मारे गए हैं। 2,500 से यादा घायल हुए हैं। इंडिपेंडेंट टेलीविजन ने सिर्फ शुक्रवार को 17 लोगों की मौत की जानकारी दी। सोमोय टीवी ने 30 लोगों की मौत का दावा किया। एक एसोसिएटेड प्रेस रिपोर्टर ने ढाका मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 23 शव देखे। इससे पहले गुरुवार (18 जुलाई) को 22 लोगों की मौत की खबर आई थी।

405 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौटे बांग्लादेश से अब तक 405 भारतीय स्टूडेंट्स लौट आए हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय स्टूडेंट्स को डॉकी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए बांग्लादेश से निकाला गया है। उनमें से लगभग 80 मेघालय से हैं और बाकी अन्य रायों से हैं। नेपाल, भूटान के कुछ छात्रों और पर्यटकों को भी निकाला गया है। मेघालय सीएम ने बताया कि बांग्लादेश के ईस्टर्न मेडिकल कॉलेज में करीब 36 छात्र फंसे हुए हैं। हम वहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं। कॉलेज और उसके आसपास की स्थिति ठीक है। हालांकि, स्टूडेंट्स के माता-पिता वहां के हालात को लेकर चिंता में हैं। जब तक भारत सरकार पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती कि रास्ता साफ और सुरक्षित हो गया है, तब तक स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। इसके बाद ही स्टूडेंट्स को भारत लाया जाएगा। बांग्लादेश में कुल भारतीय नागरिकों की संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 8,500 स्टूडेंट्स शामिल हैं।

रूस में कैद अमेरिकी पत्रकार को 16 साल जेल

जासूसी करने का दोषी ठहराया, 3 दिन कमरे में बंद रखा

बाइडेन बोले- अमेरिकी होने की सजा दी

इंटरनेशनल डेस्कः रूस की जेल में 479 दिनों से कैद अमेरिकी पत्रकार इवान गेर्शकोविच को 16 साल जेल की सजा सुनाई गई है। रूस की कोर्ट ने इवान को जासूसी के मामले में दोषी ठहराया है। कोर्ट के दस्तावेज के मुताबिक, इवान अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट है, जो रूस के यूराल शहर में एक मिलिट्री टैंक फैक्ट्री की जासूसी करते पकड़ा गया था।

इवान को पहले येकातेरिनबर्ग के यूराल शहर में 3 दिन तक कमरे में बंद किया। इसके बाद उसे कोर्ट के सामने पेश किया गया। इवान को मार्च 2023 में यूराल में रिपोर्टिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया था। वह अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल का पत्रकार है। 30 साल पहले शीत युद्ध खत्म होने के बाद यह पहली बार है, जब रूस में किसी अमेरिकी पत्रकार को सजा सुनाई गई है। कोर्ट के फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि इवान को इसलिए टारगेट किया गया क्योंकि वह एक अमेरिकी नागरिक है। इससे पहले रूस की फेडेरल सिक्योरिटी सर्विस यानी स्नस्क ने आरोप लगाया था कि इवान ने अमेरिका के कहने पर रूस के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स की जानकारी इकट्ठा की थी।

इवान की रिहाई के लिए हर संभव प्रयास

करते रहेंगे व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका इवान की रिहाई के लिए हर संभव कोशिश करता रहेगा। रूस और अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वे कैदियों की अदला-बदली पर भी बातचीत जारी है।वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इवान के बदले अपनी सिक्योरिटी सर्विस के लिए काम करने वाले वादिम क्रासिकोव को छुड़ाने की मांग कर रहे हैं। क्रासिकोव इस वक्त जर्मनी की जेल में कैद है। उसे 2019 में निर्वाचित चेचेन कमांडर जेलिमखान की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इवान की गिरफ्तारी को गंभीर अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि रूस में मीडिया को दबाया जाता है। वहीं, जर्मनी के विदेश मंत्री अन्नालेना बैरबॉक ने कहा कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है और पुतिन के डर को दिखाता है।

कौन हैं अमेरिकी पत्रकार इवान गेर्शकोविच ?

इवान गेर्शकोविच अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के लिए काम करते थे। वे मॉस्को में रहकर यूक्रेन जंग और रूस की प्राइवेट मिलिट्री वैगनर ग्रुप को कवर कर रहे थे। उनकी आखिरी रिपोर्ट जंग की वजह से तबाह हो रही रूस की अर्थव्यवस्था पर थी।

इससे पहले इवान ने न्यूज एजेंसी एएफपी, द मॉस्को टाइम्स और न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए भी काम किया था। इसके अलावा रूस की जेल में अमेरिकी पत्रकार अलसु कुर्माशेवा और बैलेरीना केन्सिया करेलिना को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के पास अमेरिकी-रूसी नागरिकता है। साथ ही अमेरिकी नागरिक मरीन पॉल व्हेलन को भी जासूसी के आरोप में 16 साल की जेल हुई है। बाइडेन ने व्हेलन की गिरफ्तारी को गैर-कानूनी बताया है और कहा कि अमेरिकियों की रिहाई और सुरक्षित वापसी हमारी प्राथमिकता है। अमेरिकी खिलाड़ी के बदले रूस ने मौत के सौदागर को छुड़ाया इससे पहले रूस ने अमेरिका की गिरफ्त से विक्टर बाउट नाम के शख्स को छुड़ाया था। वह हथियारों का डीलर है जिसे मौत के सौदागर के नाम से जाना जाता है। रूस ने विक्टर के बदले अमेरिका के बास्केटबॉल खिलाड़ी ब्रिटनी ग्रिनर को रिहा किया था। आजाद होने के बाद विक्टर बाउट ने रूस की राजनीति में कदम रखा और क्षेत्रीय चुनाव में जीत भी दर्ज की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569